हरिभूमि
रायपुर भूमि

खारुन में झाग... गंदा पानी और केमिकल बिगाड़ रहा शहर की सेहत, नदी में अब भी नाले का मुहाना

केमिकल युक्त पानी नालों के जरिए नदी में पहुंच रहा, नदी का पानी ही घरों में पहुंच रहा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

राजधानी की जनता की प्यास बुझाने वाली खारुन नदी में नाले का गंदा पानी रोकने के नगर निगम प्रशासन के सारे दावे फेल साबित हुए हैं। नदी में अब भी लगातार नाले का गंदा काला पानी मिल रहा है। इसके कारण नदी का पानी दूषित हो रहा है। गंदा पानी के कारण अब नदी में सफेद झाग भी बनने लगा है। बताया जा रहा है कि यह झाग नाले का गंदा पानी व कुछ केमिकल पानी में मिलने के कारण बन रहा है। यह झाग मानव शरीर के लिए भी नुकसानदेय है। इससे कई तरह के चर्मरोग हो सकते हैं। इधर इस नदी का पानी ही फिल्टर होकर पाइपलाइन से घर-घर पहुंचता है, जिसे पीने से लेकर अन्य घरेलू कामों में उपयोग किया जाता है। हरिभूमि की टीम रविवार को नदी में जाकर मिल रहे नाले के ▸▸ शेष पेज 11 पर

सेहत दांव पर लगी

नाले का गंदा पानी नदी के जल को दूषित कर रहा है। इससे राजधानी रायपुर की 15 लाख आबादी की सेहत दांव पर लगी है। निगम मुख्यालय, जोन 8 तथा अमृत मिशन के अधिकारियों को इसकी जानकारी होने के बावजूद इसे लेकर कोई बड़ी कार्यवाही नहीं की जा रही है। इस तरह निगम की इस बड़ी लापरवाही के कारण शहर के लोगों की सेहत पर बन आई है।

कचरे से पटा चिंगरीनाला

पड़ताल के दौरान चिंगरीनाला पूरी तरह से कचरे से पटा मिला, जिस समय टीम मौके पर पहुंची, उस समय यहां जेसीबी की मदद से नाले में फंसा कचरा निकालने का काम चल रहा था। करीब आधे घंटे तक यहां फंसा कचरा निकालने का काम करने के बाद भी पूरी तरह से नाले का कचरा निकाला नहीं जा सका। निगम के सफाई कर्मचारी इसके बाद काम अधूरा छोड़कर ही वापस लौट गए।

कई इलाकों में नलों के पानी से बदबू

पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर सहित नदी के किनारे लगे कई इलाकों में निगम की पाइपलाइन से घर-घर पहुंचने वाले नल कनेक्शन के पानी में अब बदबू आने लगी है। इस कारण लोग अब नल के पानी की जगह बोर का या फिर उसे उबालकर पीने लगे हैं।

शिकायत मिली, कराएंगे जांच

सीवरेज ट्रीटमेंट लगने से अब नदी में नाले का कम गंदा पानी जा रहा है। झाग क्यों बन रहा है, इसकी जानकारी नहीं है। डीडीनगर क्षेत्र में नलों के पानी से बदबू आ रही है। इसकी शिकायत मिली है, जिसे आज ही चेक कराएंगे।

- सतनाम सिंह पनाग
अध्यक्ष, जलकार्य विभाग, ननि

इस कारण बनता है झाग

नाले के पानी में कई रसायन घुले रहते हैं। बारिश में खेतों का पानी भी नदी में आता है। किसान धान की फसलों को कीड़ों से बचाने के लिए विभिन्न तरह के केमिकल व दवाइयों का उपयोग करते हैं। कुछ फैक्ट्री से निकलने वाले केमिकल भी पानी में मिल रहे हैं, इसलिए झाग बन जा रहा है, जो एनीकट के पास दिख रहा है।

कलिंगा यूनिवर्सिटी के छात्र की हत्या मामले में खुलासा

पता पूछा तो छात्र को बाइक पर बिठाकर साथ ले गए बदमाश, सिर पटककर मार डाला

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र स्थित कलिंगा यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले प्रथम वर्ष के छात्र की हत्या के आरोप में पुलिस ने एक नाबालिग तथा एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पांच दिन पूर्व 24-25 जून दरमियानी रात छात्र ने बदमाशों से पता पूछा था, इस बात से नाराज होकर बदमाश छात्र को जबरन अपनी बाइक पर बैठाकर भाठागांव स्थित बीएसयूपी कॉलोनी ले गए और वहां उसकी हत्या कर दी। छात्र की लाश मिलने के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर पांच दिन जांच करने के बाद हत्या का अपराध दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, लोहंडीगुड़ा निवासी मंगल मुरिया की हत्या के आरोप में सावन डोंगरे उर्फ सोमू तथा एक नाबालिग को गिरफ्तार किया गया है। घटना दिनांक को देर रात मंगल ने कालीबाड़ी चौक के पास सावन तथा उसके साथी से पता पूछा, इस बात से नाराज होकर बदमाशों ने मंगल को पता बताने के बहाने जबरन अपनी बाइक पर बैठा लिया और बीएसयूपी कॉलोनी ले गए तथा उसकी जेब की तलाशी लेने लगे। तलाशी लेने पर छात्र की जेब से पर्स मिला, जिसमें एटीएम कार्ड था। बदमाश मंगल से एटीएम का पासवर्ड पूछने लगे। मंगल ने पासवर्ड बताने से इनकार किया तो बदमाशों ने मारपीट करते हुए ▸▸ शेष पेज 11 पर

एक सप्ताह से हॉस्टल से गायब था मंगल

मंगल एक सप्ताह से हॉस्टल से गायब था। जानकारी के मुताबिक, किसी महिला को मंगल दीदी बोलता था। उसके पास काम दिलाने कॉल किया था, लेकिन वह उस महिला के पास नहीं पहुंचा। हॉस्टल से गायब होने के बाद मंगल का मोबाइल लोकेशन सिविल लाइंस, सिलतरा तथा शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मिला। अपने दोस्तों से कुछ पैसे लेकर मंगल हॉस्टल से निकला था।

एसओएस ने कराया था भर्ती

पुलिस के अनुसार, मृत छात्र मंगल के माता-पिता की बचपन में ही मौत हो गई थी। अनाथ होने की वजह से उसे एसओएस ने पढ़ाई के लिए प्रयास में भर्ती कराया था। प्रयास में पढ़ाई पूरी होने के बाद एसओएस ने मंगल का एडमिशन कलिंगा यूनिवर्सिटी में कराया। जहां वह कलिंगा के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा था।

बीएसयूपी कालोनी में पुलिस का छापा
मकानों में रहने वाले ज्यादातर दूसरे राज्यों के

प्रत्यक्षदर्शी के बताने पर पुलिस छापा मारने पहुंची

पुलिस के अनुसार बीएसयूपी कॉलोनी में रहने वाला अखिलेश नेताम ने पूरी घटना को अपनी आंखों से देखा था, लेकिन वह डर की वजह से किसी को घटना की जानकारी नहीं दे रहा था। किसी तरह से हिम्मत जुटाकर अखिलेश ने शुक्रवार को पुलिस को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस दल-बल के साथ शनिवार को बीएसयूपी कॉलोनी छापा मारने पहुंची और दोनों बदमाशों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक हत्या के आरोप में गिरफ्तार सावन तथा उसका नाबालिग साथी किसी दूसरी जगह से आकर बीएसयूपी कॉलोनी में रह रहे थे।

एक पखवाड़े पूर्व गंज थाना क्षेत्र की घटना

युवती से रेप, वीडियो बनाकर वायरल भी किया, आरोपी यूपी से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

गंज थाना क्षेत्र में निजी कार्य से आए उत्तरप्रदेश निवासी एक युवक को पुलिस ने रेप के आरोप में गिरफ्तार किया है। युवक के खिलाफ युवती ने रेप करने तथा उसका अश्लील वीडियो बनाकर परिजनों को वायरल करने की शिकायत दर्ज कराई है। घटना एक पखवाड़े पूर्व की है। पुलिस के मुताबिक युवती से रेप के आरोप में उत्तरप्रदेश चित्रकूट निवासी रामनरेश गुप्ता को गिरफ्तार किया गया है। युवती ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि निजी कार्य से आए रामनरेश ने जान पहचान होने के बाद उसे 14 जून को काम के बहाने स्टेशन रोड स्थित एक होटल में बुलाया। ▸▸ शेष पेज 11 पर

छ.ग. के सभी शासकीय ITI में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन
cgiti.cgstate.gov.in
बी.एम. आई.टी.आई.
▸ कोपा ▸ इलेक्ट्रिशियन
▸ हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
▸ डीजल मैकेनिक
▸ फायर टेक्नालॉजी
▸ स्टेनो हिन्दी
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9340311314
9303893829, 9300850065
अंतिम तिथि-03/07/24

बर्थ डे पार्टी में मारपीट

रायपुर। तेलीबांधा थाने में एक युवक ने एक अन्य युवक के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कुलदीप पटेल ने शुभम दास के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत की है। कुलदीप ने पुलिस को बताया कि वह अपने एक दोस्त की बर्थ डे पार्टी मनाने वीआईपी रोड स्थित एक होटल में गया था। वह अपने एक दोस्त के साथ बात करते हुए होटल की छत पर गया, वहां शुभम ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की।

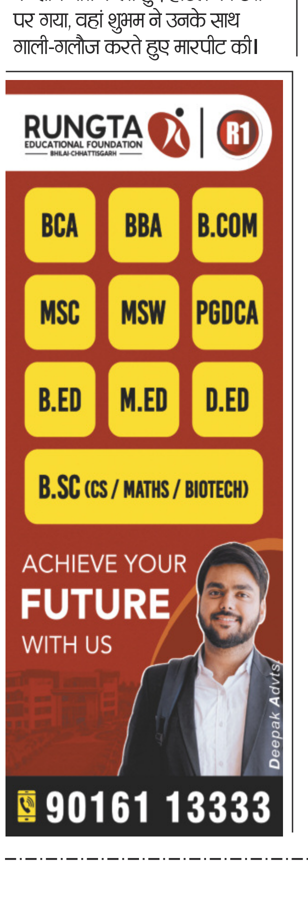

राजधानी में छिटपुट बारिश के साथ बीता जून, झमाझम के लिए करना होगा इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

राजधानी समेत जिले में झमाझम बारिश के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है। बना सिस्टम बिहार की तरफ जा रहा है, जिसकी वजह से वर्षा का अधिक प्रभाव सरगुजा और बिलासपुर संभाग में रहने की संभावना है। पिछले एक महीने में रायपुर जिले में भारी वर्षा वाली स्थिति नहीं बन पाई है। मौसम विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक रायपुर जिले में इस माह सामान्य वर्षा से 13 प्रतिशत कम बारिश हुई है। पिछले दिनों से यहां बादल छाए तो हैं, मगर जोरदार ढंग से बरसने के बजाय हल्के रूप में ही अपना असर दिखा रहे हैं। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात हल्की बारिश हुई, इसके बाद दिनभर बादल छाए रहे और अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री से आगे नहीं बढ़ पाया। रविवार शाम होने के बाद फिर बारिश का दौर शुरू हुआ, मगर इसका असर अधिक देर तक नहीं रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, रायपुर में शाम साढ़े आठ बजे तक 4.2 मिमी. वर्षा हुई और सुबह साढ़े आठ बजे तक 2.4 मिमी. बारिश हुई थी। अनुमान है कि आने वाले दिनों में भी शाम होने के बाद हल्की वर्षा होगी, मगर जोरदार बारिश के लिए अभी कुछ दिनों तक इंतजार करना पड़ सकता है।

- रात में हल्की वर्षा, दिनभर छाए बादल, शाम होते ही फिर बरसे

पेंड्रा, बिलासपुर में जमकर बरस रहे बदरा

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले दो दिन से बिलासपुर और पेंड्रा में अच्छी बारिश का दौर जारी है। पिछले चौबीस घंटे में कुसमी में 16, पेंड्रा में 10, दोरनापाल में 9, शंकरनगर में 8, कोरबा सहित आधा दर्जन स्टेशनों में 7, अकलतरा, सारागांव, मस्तूरी में 6, बिलासपुर सहित आसपास के इलाकों में 5 सेमी. तथा अन्य इलाकों में इससे कम बारिश हुई। अगले चौबीस घंटे में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

दो साल पहले केवल 46 मिमी.

रायपुर जिले में इस बार 144.7 मिमी. बारिश हुई है, जो सामान्य से 13 प्रतिशत कम है, जिसे मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा सामान्य स्थिति में रखा गया है। सबसे खराब स्थिति वर्ष 2022 में थी, उस दौरान पूरे रायपुर जिले में 46 मिमी. बारिश हुई थी। पिछले साल यह आंकड़ा 183.8 मिमी. तक पहुंचा था। वहीं वर्ष 2020 में सबसे ज्यादा 270 मिमी. बारिश दर्ज की गई थी। राज्य में इस बार 136.3 मिमी. वर्षा हुई है, जो सामान्य 193.5 मिमी. से 30 प्रतिशत कम है।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस

सेहत भूमि

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस, जो हर साल 1 जुलाई को मनाया जाता है, हमारे देश के चिकित्सकों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित करने का एक विशेष अवसर है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य डॉक्टरों के योगदान को मान्यता देना और उनके निस्वार्थ सेवा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना है।

इस दिवस की स्थापना प्रसिद्ध चिकित्सक और पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती और पुण्यतिथि को मनाने के लिए की गई थी। डॉ. रॉय न केवल एक महान चिकित्सक थे बल्कि एक उत्कृष्ट शिक्षाविद् और समाजसेवी भी थे। उनकी चिकित्सा सेवा और समाज सेवा के प्रति प्रतिबद्धता आज भी लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

कोविड-19 महामारी ने हमें चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका की अहमियत को और गहराई से समझाया है। कठिन परिस्थितियों में भी वे अपनी जान की परवाह किए बिना मरीजों की सेवा में जुटे रहे।

इस राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर, हम सभी को अपने चिकित्सकों के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करना चाहिए। उनके निरंतर प्रयासों और समर्पण के बिना स्वस्थ समाज की कल्पना अधूरी है। हमें उनके कार्य को सराहना चाहिए और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करनी चाहिए ताकि वे अपने कर्तव्यों को और भी प्रभावी ढंग से निभा सकें।

महामारी ने हमें यह सिखाया है कि हमारे समाज में चिकित्सकों का योगदान कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने न केवल मरीजों की देखभाल की, बल्कि हमें यह भी सिखाया कि संकट के समय में कैसे धैर्य और साहस के साथ खड़ा रहना चाहिए। उनकी कठिन परिश्रम, समर्पण और सेवा की भावना के लिए हमें आभार व्यक्त करना चाहिए। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर, समाज को अपने चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए। इस दिन का उद्देश्य न केवल उनके योगदान को मान्यता देना है, बल्कि चिकित्सा क्षेत्र में नई चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करना भी है। हमें यह समझना चाहिए कि चिकित्सकों का स्वास्थ्य और उनका मनोबल बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि वे निरंतर समाज की सेवा कर सकें। इस अवसर पर, हमें अपने चिकित्सकों को धन्यवाद कहना चाहिए और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करना चाहिए। उनकी मेहनत, सेवा और समर्पण के बिना, एक स्वस्थ समाज की कल्पना करना असंभव है। चिकित्सकों का सम्मान और उनके प्रति आभार व्यक्त करना हमारी जिम्मेदारी है। हमें उनकी सेवा की सराहना करनी चाहिए और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करनी चाहिए ताकि वे अपने कर्तव्यों को और भी प्रभावी ढंग से निभा सकें। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर हमें अपने चिकित्सकों को प्रोत्साहित करने और उनके कार्य को सराहने का अवसर मिलता है। उनके निरंतर प्रयासों और समर्पण के बिना, हमारा समाज स्वस्थ और सुरक्षित नहीं रह सकता। इस दिन का महत्व केवल चिकित्सकों के योगदान को पहचानने में ही नहीं, बल्कि भविष्य में भी उनकी आवश्यकताओं और चुनौतियों को समझने में है। हमें इस दिन का उपयोग चिकित्सकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके महत्वपूर्ण कार्य को आगे बढ़ाने में उनकी मदद करने के लिए करना चाहिए। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस एक ऐसा अवसर है जो हमें याद दिलाता है कि हमारे समाज में चिकित्सकों का योगदान अनमोल है। हमें उनके कार्य को सम्मानित करना चाहिए और उनकी सेवा को सराहना चाहिए ताकि वे निरंतर हमें स्वस्थ और सुरक्षित रखने के अपने मिशन में जुटे रहें।

आपका समर्पण और सेवा निस्संदेह प्रेरणादायक है। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर, आपका धन्यवाद और आभार।

Happy National Doctors' Day

हम लाते हैं अपने हर मरीज के चेहरे पे मुस्कान यही राज है हमारी निरंतर सफलता का
डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं — 1 जुलाई —
• ओपीडी पर 50% की छूट
• सभी प्रकार की जाँच पर 10% की छूट (लैब + रेडियोलॉजी के साथ)
ग्लोबल स्टार हॉस्पिटल
दीनदयाल उपाध्याय नगर, रिंग रोड-1, बी मार्ट के पास, रायपुर (छ.ग.)
0771-3104444/45

श्री श्रेयन आयुर्वेद
Panchkarma & Wellness Centre
1ST JULY DOCTORS DAY SPECIAL
Happy Doctor's Day
Free Consultation & 30% Discount
Harbal Facial
Offer Valid from 1st July to 6th July 2024
स्वर्णप्राशन - Dose Available 6 July 2024 को free
वैद्य- डॉ. पल्लवी क्षीरसागर
MD आयुर्वेद (पुणे)
Timing- (11-8) by Appointment
पता:- B-22, जगन्नाथ मंदिर के पीछे, गायत्री नगर, रायपुर (छ.ग.)
Mob: 9111922122, 9111912122, 0771-3558564

यूरेथ्रल स्ट्रिक्चर या मूत्रमार्ग ट्यूब में सिकुड़न
जिससे मूत्र प्रवाह सामान्य रूप से नहीं हो पाता है या रूक जाता है। यह स्थिति काफी जटिल एवं पीड़ादायक होती है।
इसका आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज संभव है।
मिलेगा त्वरित आराम एवं संपूर्ण निदान
श्रीधर औषधालय एवं पंचकर्म केन्द्र
सम्पूर्ण आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

Saraswati Dayal's Motiramani Heart Clinic
बी. पी. का इलाज | शुगर का इलाज | कोलेस्ट्रॉल का इलाज | अन्य सभी बिमारियों का इलाज
यदि आपको निम्न लक्षण है तो डॉक्टर से परामर्श लें
• ब्लड प्रेशर • डायबिटीज • कोलेस्ट्रॉल • छाती में दर्द • दिल का दौरा • चक्कर आना • श्वांस फूलना • असामान्य पसीना आना • धड़कन बढ़ना
डॉ. निखिल मोतीरामानी
उपलब्ध सेवाएं: •ECG •TMT •Echocardiography Holter Monitoring •Angiography •Angioplasty •Pacemaker बच्चों के दिल के छेद का ऑपरेशन
समय: सुबह 9:30 बजे से 1:00 बजे तक सायं 4:00 बजे से 9:00 बजे तक
हम रखते हैं... आपके दिल का ख्याल...
मोतीरामानी हार्ट क्लिनिक मो. 93432 69737, 7999055927

38 वर्षों से निष्ठा, समर्पित, संकल्पित, अति आधुनिकतम सेवा का केंद्र
उपलब्ध सुविधाएं
समय: 10:30 से शाम: 5:40 बजे
क्लिनिक: फाफाडीह चौक, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-2523367, 0771-4062616, 07587259490, 07389356217
फोन: 0771-2423303 मो. 09575302541, 09425202541

अष्टविनायक हॉस्पिटल
महिलाओं एवं बच्चों का अस्पताल
सुविधाएँ
1. महिला, बच्चों एवं नवजात शिशुओं के लिये पूर्ण सेटअप
2. प्रतिदिन ओ. पी. डी.
3. आपातकालिन सुविधा 24X7
4. प्रतिदिन सोनोग्राफी सुविधा
5. आयुष्मान कार्ड की सुविधा
6. कैशलेस बीमा
7. पैथोलॉजी लैब
8. नवजात आई.सी.यू.
9. एम्बुलेंस
10. अनुभवी डॉक्टर
डॉ. अर्चना रंजन | डॉ. आकाश राय | डॉ. रितेश रंजन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर 7987225800

DR. THAKUR HOMEOPATHIC CLINIC
Female Disorders: Pcod, Infertility, Menstrual Disorders, Uterine Fibroids, Menopausal symptoms
Mental Disorders: ADHD, Autism, Bipolar Mood Disorders, Depression, OCD, Claustrophobia, Examination Fure, Mood Swings Of Women, Suicidal Thoughts, Along With Medicine Specific Councilling Session For Needy
Dr. Srishti Thakur
BHMS
D/o Late Dr. Jitendra Thakur
For Appointment 7987959244
Shop No.1 Patel Complex Gopiya Para Purani Basti, Raipur
Online Consultation Available. Facility to Send Medicines by Courier

मेनचेस्टर होम केयर सर्विस
मेडिकल इक्युपमेंट रेन्टल एण्ड केयर टेकर नर्स सर्विस
घर पर मरीज हेतु मेडिकल इक्युपमेंट किराये/सेल पर एवं नर्सिंग सेवा उपलब्ध
ऑक्सिजन सिलेण्डर | केयर टेकर | ऑक्सिजन मशीन | (I.C.U.) होम नर्स | (NIV) बाई पेप मशीन | बेबी केयर | हॉस्पिटल बेड | (I.C.U.) वेन्टीलेटर मशीन
82258 01507, 88897-02488
जय अम्बे हॉस्पिटल के पास, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)

सागर मल्टी स्पेशियालिटी हॉस्पिटल
खम्हारडीह रोड, भावना नगर चौक, शंकर नगर, रायपुर
उपलब्ध सुविधाएं
• अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर • गैस्ट्रो एवं लेप्रोस्कोपी सर्जरी • एण्डोस्कोपी सर्जरी • आर्थो (अस्थि रोग) सर्जरी • यूरो सर्जरी • प्लास्टिक सर्जरी • सीजेरियन डिलवरी • नार्मल डिलवरी • सभी प्रकार के स्त्री रोग • नेफ्रोलॉजी • पलमोनोलॉजी • पैथोलॉजी • ई.सी.जी. • आई.सी.यू. • 24 घंटे आपात चिकित्सा • 24 घंटे एम्बुलेंस सेवा...
ओडिशा सरकार द्वारा परिचालित बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड में सम्पूर्ण ईलाज मुफ्त में किया जाता है।
Mo. 9589632123, 9589732123, 0771-4072123

वी केयर सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल
हमें गर्व है स्वास्थ्य प्रहरियों पर
सतत् - सजग - सेवा - समर्पण
डॉक्टर्स डे पर हार्दिक शुभकामनाएँ...
उपलब्ध सुविधाएं...
ट्रॉमा, एक्सीडेंट, आपातकालीन विभाग | जनरल मेडिसीन
एडवांस आर्थोपेडिक विभाग | बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी
घुटना, कूल्हा एवं जोड़ प्रत्यारोपण | स्त्री एवं प्रसूति विभाग
न्यूरो एवं स्पाईन सर्जरी | श्वास एवं छाती रोग
न्यूरोलॉजी विभाग | मिनिमल एक्सेस सर्जरी विभाग
यूरोलॉजी एवं स्टोन क्लीनिक | आईसीयू एवं क्रिटिकल केयर
जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी | डेंटल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी
कोल इंडिया लिमिटेड (SECL), केंद्र सरकार (CGHS), Railway (SECR), FCI, DRDO, ONGC, CSPDCL, आर्म्ड फोर्स (CAPF, CRPF इत्यादि) के कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त के CASHLESS ईलाज की सुविधा उपलब्ध।
सभी प्रमुख बीमा कंपनियों एवं TPA से CASHLESS ईलाज की सुविधा उपलब्ध | BSKY (BIJU कार्ड) से निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध | राज्य सरकार के कर्मचारियों के ईलाज के लिए मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल
जी.टी.बी. प्लॉजा, एयरटेल ऑफिस के पास, रिंग रोड नं. 1, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)
Emergency No.: +91 91091 78901 | 0771 - 4024901
Web.: www.wecarehospitalraipur.com | Email: wecarehospitals@gmail.com

जौहरी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
E-mail: jowharyhospital44@gmail.com, Web.: www.jowharyhospital.com
डॉ. महावीर सिंह जौहरी MBBS, MS, DNB (Hyderabad) FEN (Jabalpur), CNETS AIIMS (Delhi) ब्रेन एवं स्पाईन सर्जन, एण्डोस्कोपिक न्यूरो सर्जन
डॉ. अलका जौहरी MBBS, DNB (Sec-9, Bhilai) FAIC (Bhopal) प्रसूति, स्त्री रोग निःसंतान दम्पति विशेषज्ञ एण्डोस्कोपिक गायनिक सर्जन
उपलब्ध विभाग
• न्यूरो सर्जरी • स्त्री एवं प्रसूति रोग • जनरल सर्जरी • आर्थो सर्जरी • एण्डोस्कोपी • गेस्ट्रो एंट्रो सर्जरी • कैंसर सर्जरी • नाक, कान, गला • प्लास्टिक सर्जरी • यूरो सर्जरी • पीडियाट्रिक सर्जरी • स्टेम सेल थेरेपी
भारत में पहली बार इन्फ्रारेड न्यूरो सर्जरी (भयमुक्त न्यूरोसर्जरी) सर्जरी के बाद काम में जल्दी वापसी
उपलब्ध सुविधाएँ
24 घंटे आपातकालीन सुविधा | नार्मल एवं सिजेरियन डिलवरी | 24 घंटे एम्बुलेंस सुविधा | दूरबीन पद्धति से ऑपरेशन | सर्व सुविधा युक्त आधुनिक मशीनों से सुसज्जित ऑपरेशन थियेटर | अल्ट्रा साउंड | पैथोलॉजी | एक्स-रे, रेडियोलॉजी | आई. सी.यू. | ई.सी.जी., ई.ई.जी. | वेन्टीलेटर | एन. सी. वी. | फॉर्मेसी (मेडिकल)
सभी प्रकार के आपरेशन आयुष्मान कार्ड एवं मेडिक्लेम के अन्तर्गत
0771-4349856, 81790-50740, 99816-77710
पता: टेबर सिटी मोड़ के सामने, मेन रोड, भाटागांव, रायपुर (छ.ग.)

आरोग्य हॉस्पिटल
सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल एण्ड टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर
आधुनिक गैस्ट्रो सर्जरी यूनिट, लैपरोस्कोपी सर्जरी एवं आई.वी.एफ. सेन्टर
उपलब्ध सुविधाएं:-
लिवर पैंक्रियास के ट्यूमर की सर्जरी | सभी प्रकार के पथरी का आपरेशन
Endoscopy और Colonoscopy की सुविधा उपलब्ध है | इन्टरनल मेडिसिन
एडवांस्ड लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी | हड्डी रोग विशेषज्ञ
निःसंतान दंपति का इलाज (IVF,IUI,ICSI) टेस्ट ट्यूब बेबी | नाक, कान व गला रोगो का संपूर्ण इलाज
स्त्री रोगो का संपूर्ण निदान | लेजर द्वारा पाइल्स फिस्टुला का ऑपरेशन
सभी प्रकार के हर्निया | आँख का ऑपरेशन
होलमियम लेजर द्वारा प्रोस्ट्रेट ग्रंथी का ऑपरेशन | गाल ब्लेडर और किडनी की पथरी
National डॉक्टर्स डे 1 जुलाई
• पेट संबंधित सभी बीमारीयो का ईलाज • गैस्ट्रो सर्जरी • लेजर सर्जरी • आर्थो पेडिक • आई.सी.यू. केयर • गैस्ट्रो इंट्रोलॉजी
• 24 घंटे इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
HDFC Bank के सामने, शंकर नगर से लोधी पारा चौक जाने के मार्ग पर शंकर नगर रायपुर
फोन:- 0771-4044115, 4265115 98271-98000

"43 वर्षों से नेत्र रोगियों की सेवा में अग्रसर"
छत्तीसगढ़ नेत्र चिकित्सालय
आपकी आँखों को दें, सुरक्षा का वादा
मोतियाबिंद को गंभीर अवस्था में ना पहुँचने दें हमारे अत्याधुनिक आई चेक-अप मशीनों एवं अनुभवी चिकित्सकों द्वारा जाँच और इलाज करायें...
• लेजर सर्जरी • ओ.सी.टी. • आँखों के भेंगापन का इलाज • मोतियाबिंद का इलाज • डायबिटिक रेटिनोपैथी ट्रीटमेंट
मोतियाबिंद के कुछ सामान्य लक्षण-
• बच्चों की संपूर्ण नेत्र जाँच • चीजे धुंधली दिखाई देना • रात के समय देखने में परेशानी होना • आँखों के आगे रोशनी का फैलना • चश्मे के नंबर में बार-बार परिवर्तन होना • आँखों में पानी आना • आँखों का ट्यूमर • ब्लैक फंगस का उपचार • काला मोतियाबिंद
तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.), फोन: 0771-2433187
मो.: 99817-15555, 99817-8777

खबर संक्षेप

पौधारोपण से ही संतुलित हो सकता है वातावरण

रायपुर। बसंत विहार कॉलोनी के साहू एवं पांडे परिवार के सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के छायादार पौधे रोपित किए गए। दोनों परिवारों के सदस्यों ने बताया कि इन पौधों की सुरक्षा के लिए तार फेंसिंग भी लगाई जाएगी। अरुण पांडे ने बताया कि पौधारोपण से ही वातावरण को संतुलित किया जा सकता है। इस अवसर पर भास्कर साहू, अरुण पांडे एवं परिवार के सदस्य मौजूद थे।

महतारी वंदन की पांचवीं किस्त आज

रायपुर। प्रदेश की साय सरकार 70 लाख से ज्यादा विवाहित महिलाओं को महतारी वंदन की पांचवीं किस्त सोमवार को जारी करेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया, महतारी वंदन योजना की पांचवी किस्त आज जारी की जाएगी। उल्लेखनीय है, इस योजना में महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपए दिए जा रहे हैं। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद सरकार अपने वादे के मुताबिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत हर माह पैसे दे रही है। हर माह प्रदेश सरकार सीधे महिलाओं के बैंक खातों में पैसे भेज रही है।

निधन

अनुछाया साहू

रायपुर। भिलाई सेक्टर-10 निवासी अनुछाया साहू (84) का 30 जून को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 1 जुलाई को सुबह 11 बजे रामनगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे पूर्व बीएसपी कर्मी एवं जगन्नाथ मंदिर सेक्टर-6 के उपाध्यक्ष रवींद्र साहू की माता थीं।

माया कश्यप

रायपुर। भिलाई निवासी बीएसपी की रिटायर शिक्षक माया कश्यप (60) का 30 जून को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। वे प्रिंस व मयंक की माता थीं।

डॉ. केएम गंधर्व

रायपुर। अम्लेश्वर निवासी डॉ. केएम गंधर्व का 29 जून को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 1 जुलाई को सुबह उनके निवास स्थान से महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी।

रामकुमार पंसारी

रायपुर। कंकालीपारा निवासी रामकुमार पंसारी (67) का 30 जून को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 1 जुलाई को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे स्व. गंगाराम पंसारी के पुत्र और पीयूष व प्रशांत पंसारी के पिता थे।

महंगी सब्जियों ने बिगाड़ा रसोई का बजट, दाम 80 से 100 रुपए किलो

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

बारिश का सीजन शुरू होने के साथ सब्जियों के भाव ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। फूलगोभी, टमाटर, शिमला मिर्च, बरबट्टी, करेला, भिंडी से लेकर हरा धनिया, अदरक समेत अन्य सब्जियों के भाव आसमान छूने लगे हैं। इस कारण रसोई का बजट तो बिगड़ा ही है, साथ ही थाली में परोसी जाने वाली कई सब्जियां भी गायब हो गई हैं। महंगी होने के कारण आम लोग कई सब्जियां खरीदना ही बंद कर दिए हैं।

डूमरतराई थोक सब्जी विक्रेता संघ के अध्यक्ष टी. श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि पहले भीषण गर्मी के कारण मंडी में सब्जियों की आवक कम हो गई थी और अब बारिश के कारण सब्जियां नहीं आ रही हैं। मंडी इन दिनों बमुश्किल से 20-25 प्रतिशत सब्जियों की आवक है। इसके कारण सब्जियों की कीमतें आसमान छू रही है। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी के कारण सब्जियों की पैदावर कम हो गई थी। बारिश शुरू होने के साथ सब्जियों की खेती शुरू हो गई है, लेकिन फसलें आने में अभी एक से डेढ़ महीना लगेगा। तब तक मंडी में सब्जियों की आवक कम रहेगी। इस सीजन में कभी अत्यधिक बारिश के कारण फसलें खराब हो जाती हैं तो कभी बारिश ही ट्रांसपोर्टिंग में बाधा बन जाती है।

आलू-प्याज, टमाटर समेत अन्य सब्जियों की कीमत में तेजी

क्वालिटी भी सही नहीं

महंगी होने के साथ इन दिनों सब्जियों की क्वालिटी भी सही नहीं आ रही है। इस कारण सब्जियों की डिमांड भी कम हो गई है। ज्यादातर लोग ऐसी ही सब्जियां खरीदना पसंद कर रहे हैं, जिनकी क्वालिटी सही है। हालांकि सही क्वालिटी वाली सब्जियों के भाव ज्यादा हैं।

सब्जियों के भाव

सब्जी	थोक	चिल्हर
टमाटर	30-35	60-80
बरबट्टी	50-55	80
मुनगा	45-50	60-80
करेला	45-50	80
शिमला मिर्च	40-45	70-80
हरा धनिया	120-140	160-180
लौकी	25-30	40
पत्तागोभी	20-25	40
कल्याणीभाटा	22-25	40-60
ढेस	45-55	100-120
कटहल	22-25	40
कोचई	30-35	50-60
तोरई	25-30	50-60

जीई रोड स्थित बिल्डिंग में प्रतियोगी परीक्षा के लिए कोचिंग सेंटर व लाइब्रेरी बनाने हुआ था सर्वे

पार्किंग नहीं, इसलिए 60 साल पुराने बॉम्बे मार्केट को संवारने का प्लान फेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

बॉम्बे मार्केट को संवारने की प्लानिंग फेल हो गई है। जीई रोड के पास स्थित इस 60 साल पुरानी बिल्डिंग का पहला फ्लोर खाली पड़ा है। इसे संवारने और इसमें पीएससी सहित कई तरह की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी युवाओं कर सकें, इसके लिए कोचिंग सेंटर शुरू करने प्लानिंग के तहत सर्वे किया गया था। इसके बाद सुविधा देने के लिए आगे प्रक्रिया नहीं की गई, क्योंकि यहां पार्किंग के लिए जगह नहीं है।

शहर के बीच पीएससी व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को प्राइम लोकेशन पर कोचिंग की बेहतर सुविधा देने जिला प्रशासन ने जगह तय करने के लिए सर्वे किया। इसमें जयस्तंभ के पास स्थित आरडीए की बॉम्बे मार्केट बिल्डिंग को भी शामिल किया गया था। बिल्डिंग के पहले फ्लोर को रेनोवेट करने पर कितना खर्च होगा, किस तरह से इसे डिजाइन किया जाएगा। इन बिंदुओं पर काम शुरू होता, इसके पहले ही पार्किंग के लिए जगह नहीं होने से इस बिल्डिंग को संवारने का काम भी शुरू नहीं किया है। युवाओं को कोचिंग सेंटर की सुविधा देने की तैयारी से पहले कई साल से बिल्डिंग का पहला फ्लोर खाली पड़ा है।

कम्यूनिटी हॉल भी नहीं बना पाए

आरडीए के सूत्रों ने बताया कि बॉम्बे मार्केट के पहले फ्लोर को कम्यूनिटी हॉल के रूप में अपग्रेड करने पहले भी प्लानिंग की गई, मगर उस समय भी पार्किंग की वजह से प्लान फेल हुआ, क्योंकि इस हॉल को बुक कराने और इसमें होने वाले आयोजन में शामिल लोगों को पार्किंग की सुविधा देना बड़ी चुनौती रहा। अब अधिकारियों को किसी ऐसी कंपनी का इंतजार है, जो खाली हॉल में ऑफिस डाले और कर्मचारियों को जयस्तंभ के पास स्थित पार्किंग में सुविधा दे।

अभी रेनोवेशन नहीं

बॉम्बे मार्केट को रेनोवेट करने की प्रक्रिया अभी नहीं की जाएगी। पार्किंग के लिए जगह नहीं होने से इस बिल्डिंग में कोचिंग सेंटर नहीं बनेगा। कम्यूनिटी हालॅ का प्लान भी पार्किंग स्पेस नहीं होने से रोका गया है।

*- **अनिल गुप्ता,** अधीक्षण अभियंता आरडीए, रायपुर*

कमाई ठप नहीं होगा कायाकल्प

कबाड़ से भरे इस हाल को दोबारा उपयोगी बनाने की इसलिए भी प्राथमिकता थी, क्योंकि यह शासन का ही उपक्रम है। इस लिहाज से ही सर्वे भी कराया गया। जब अधिकारियों ने जायजा लेने के बाद सेंटर बनाने की सहमति दी। जब आने वाले युवाओं को पार्किंग की सुविधा देने का मामला सामने आया तो जगह का अभाव पाया गया। इस वजह से सेंटर बनाने की प्लानिंग को ही खारिज कर दिया गया। इसके पहले भी सेंटर के लिए तय पहला फ्लोर वीरान पड़ा था, इससे कमाई ठप है।

सिंधी काउंसिल ने किया 51 डॉक्टरों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई ने डॉक्टर्स डे की पूर्व संध्या पर 51 डॉक्टरों का सम्मान किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से शदाणी दरबार के प्रमुख, संत युधिष्ठिर लाल, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी एवं सिंधु डॉक्टर फोरम के समस्त पदाधिकारी शामिल हुए। इस मौके पर संत युधिष्ठिर लाल ने कहा, आज के युग में सबसे बड़ी सेवा डॉक्टर ही दे रहे हैं। आधी रात को भी डॉक्टर सेवा के लिए तत्पर रहते हैं।

- आज के युग में सबसे बड़ी सेवा दे रहे हैं डॉक्टर

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, ईश्वर के बाद इंसान का सबसे ज्यादा विश्वास डॉक्टरों पर है और हमने कोरोनाकाल भी देखा, जब सबकी उम्मीद नहीं के बराबर थी, लेकिन उस क्षण भी डॉक्टरों ने जो सेवा दी, उसके लिए उनका हृदय से आभार। न दिन देखा न रात देखी, 24/7 अपनी सेवा दी, इसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं।

ये रहे उपस्थित

सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया कि इस कार्यक्रम में मोहन वल्र्यानी, अमित जीवन, राजेश वासवानी, किशोर आहूजा, निलेश तारवानी, संजय जैसिंघ, जितेंद्र मलघानी, राजीव जसवानी, चंदन जैसिंघ, कमल वाधवानी, राजेश गुरनानी, डॉ. किरण माखीजा, डॉ. प्रकाश कटारिया, डॉ एनडी गजवानी, डॉ भीष्म शदानी, डॉ नीरज पहलाजनी, डॉ पवन भावनानी, डॉ सुनील रामनानी, डॉ धर्मानी, डॉ अजीत शदाणी, डॉ. निखिल मोतीरामानी, डॉ. रामदेव मंधानी, डॉ. आडवाणी, डॉ. अशोक सुंदरानी, डॉ. जगदीश मेघानी, डॉ. गोपीचंद सचदेव, डॉ. नीलिमा आहूजा, डॉ. मूलचंद हरजानी, डॉ. जीवतराम तुलसियानी, डॉ. समीर पहलाजानी उपस्थित थे।

बिखरते परिवार को जोड़ने में जुटी परामर्शदाता समिति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए महाराष्ट्र मंडल की परामर्शदाता समिति बिखरते परिवार को जोड़ने में जुटी हुई है। समिति के समक्ष रविवार को सुबह दो परिवारों के मामले आए। जिन्हें सुनने के बाद फरियादियों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया गया और उस परिवार के दोनों पक्षों के बीच सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास किया गया। इसी दौरान परामर्शदाता व स्वावलंबन समिति की समन्वयक शताब्दी पांडे, काउंसलर डॉ. मंजरी बक्षी, मंडल के मुख्य समन्वयक श्याम सुंदर खंगन व वरिष्ठ अधिवक्ता मनीषा भंडारकर ने दोनों ही परिवारों के दोबारा एकजुट होने का विश्वास जताया। शताब्दी ने बताया कि आज की काउंसिलिंग में प्रस्तुत दोनों मामलों में दोनों पक्षों को बुलवाया गया था, लेकिन दोनों ही मामलों में एक पक्ष सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुआ। एक पक्ष को सुना गया है। दूसरे पक्ष को अगली सुनवाई के लिए बुलवाया गया है।

- दो मामलों में विवाह बनाए रखने के लिए कोशिश

11 साल पहले शादी, अब अलगाव की स्थिति

सुनवाई के लिए आए एक मामले में महिला प्रार्थी की 11 साल पहले हिंदू रीति-रिवाज से शादी हुई। महिला का पति सेंट्रल गवर्नमेंट की नौकरी कर रहा है। शादी के कुछ साल तक सबकुछ ठीक था, लेकिन कुछ समय बाद छोटी-छोटी बातों में दोनों के बीच अनबन होने लगी। अब महिला के पति ने उसे घर से निकाल दिया है। 11 वर्ष और 7 वर्ष के दो बच्चों के साथ महिला प्रार्थी अकेली रायपुर में निवासरत है। महिला के पति ने तलाक के लिए कोर्ट में आवेदन कर दिया है। मामला कोर्ट में विचाराधीन है।

करबला तालाब से हटाए जाएंगे कब्जे, बनाया जाएगा स्मार्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व मंत्री और वरिष्ठ भाजपा विधायक राजेश मूणत नगर निगम के अधिकारियों के साथ रविवार सुबह रायपुर शहर के प्राचीन करबला तालाब पहुंचे। उन्होंने तालाब के अतिक्रमण हटाने के साथ रखरखाव और सौंदर्यीकरण को लेकर जरूरी निर्देश दिए।

- मूणत की अफसरों को चेतावनी- हर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट पर पूरी नजर, गलती नहीं करेंगे बर्दाश्त

श्री मूणत ने नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीओओ उज्जवल पोरवार, पार्षद अमर बंसल, निगम अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, एसडीएम नंद कुमार चौबे, जोन 7 जोन कमिश्नर जसदेव सिंह बाबरा सहित नगर निगम और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के संबंधित अधिकारियों के साथ करबला तालाब का निरीक्षण किया। श्री मूणत ने यहां तालाब की सफाई व्यवस्था पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल एक्शन जरूर लेने को कहा। उन्होंने अफसरों से कहा कि सौंदर्यीकरण कार्य में तेजी लाएं और जरूरत पड़ने पर अमला भी बढ़ाएं। सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दें। नियमित जांच करें, फील्ड में उतरें। श्री मूणत ने बताया, वे चाहते है कि करबला तालाब का सौंदर्यीकरण रायपुर शहर के लिए एक नजीर बने।

गुणवत्ता पर समझौता बर्दाश्त नहीं

श्री मूणत ने अफसरों से सख्त लहजे में कहा, रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में जितने भी विकास कार्यों के प्रोजेक्ट चल रहे हैं, उन पर मेरी पूरी नजर है। मैं सभी प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग कर रहा हूं तो जनता को दिखना भी चाहिए। उन्होंने कहा, गुणवत्ता पर किसी प्रकार की समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बिजनेस साइट

श्री कल्याण मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में ट्रॉमा और स्पाइन का संपूर्ण इलाज

रायपुर। मेनरोड फाफाडीह स्थित श्री कल्याण मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की लोकप्रियता छत्तीसगढ़ में लगातार बढ़ती जा रही है। इस हॉस्पिटल में अनुभवी एवं उच्चस्तरीय चिकित्सकों की टीम के साथ अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। श्री कल्याण स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में ट्रॉमा, एक्सिटेंडल फ्रैक्चर, जोड़-प्रत्यारोपण, न्यूरो सर्जरी, रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा किया जाता है। हॉस्पिटल के स्पाइन सेंटर में हड्डियों से जुड़े किसी भी तरह के दर्द का संपूर्ण इलाज किया जाता है।

- डॉक्टर्स डे के अवसर पर हॉस्पिटल में निशुल्क ओपीडी और एक्स-रे पर छूट

यह हॉस्पिटल 24 घंटे एवं सातों दिन मरीजों की सेवा में निरंतर कार्यरत है। हॉस्पिटल के प्रमुख डॉ. नील सिंह पसरिजा ने बताया कि हमारा अस्पताल विगत 5 वर्षों से मरीजों को अपनी सेवाएं दे रहा है। हॉस्पिटल में मरीजों के लिए आयुष्मान कार्ड की भी सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने आगे कहा कि आज डॉक्टर्स डे के अवसर पर हॉस्पिटल द्वारा निशुल्क ओपीडी और एक्सरे में 20 प्रतिशत का डिस्काउंट दिया जा रहा है।

जिला स्तरीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का समापन आज

रायपुर। आगामी राज्य स्तरीय एवं तमाम राष्ट्रीय आयोजनों यथा खेलो इंडिया, राष्ट्रीय खेल और नेशनल चैंपियनशिप की तैयारियों के लिए एवं अच्छे प्रदर्शन के लिए छग कलरिपयतु संघ के तत्वावधान में रायपुर जिला कलरिपयतु संघ एवं विवेकानंद मार्शल आर्ट्स फिटनेस क्लब के सहयोग से तीन दिवसीय 29 जून से 1 जुलाई तक जिला स्तरीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम देवेंद्र नगर स्थित टिंबर भवन में किया गया, जिसका आज दोपहर 3 बजे समापन किया जाएगा। जिला कलरिपयतु संघ के अध्यक्ष अनीस मेमन और सचिव अमन यादव ने बताया कि उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छग म्यू थाई संघ के महासचिव और जिला कलरिपयतु संघ रायपुर के अध्यक्ष अनीस मेमन करेंगे।

पेज 09 के शेष ...

खारुन में झाग...

गंदे पानी की पड़ताल की। इस दौरान नदी में नाले के गंदा पानी के साथ झाग तैरता मिला। यह झाग चिंगरीनाला से नदी में प्रवेश कर रहा है, जिससे नदी में एक किनारे करीब दो सौ मीटर तक पानी इससे ढंक चुका था। झाग जहां तक फैला था। उससे कुछ दूर पर कई जगहों पर लोग नहाते भी मिले। **करोड़ों खर्च के बाद भी सिस्टम सुधरा नहीं:** खारुन नदी में ग्रामीण क्षेत्रों के करीब 17 बड़े नाले-नालियों का गंदा पानी खारुन में सीधे गिरता था। इसे बंद कराने के लिए निगम ने अमृत मिशन के तहत कारा और चंदनीडीह में करोड़ों रुपए खर्च कर गंदे पानी को शुद्ध करने सीवरेज ट्रीटमेंट का निर्माण कराया है, ताकि जीवनदायिनी खारुन नदी को साफ रखा जा सके, बावजूद नदी में नाले का गंदा पानी गिर रहा है।

युवती से रेप, वीडियो .....

युवक ने उसके साथ रेप करने के बाद उसका अश्लील वीडियो बना लिया और युवती से जबरदस्ती शादी करने के लिए दबाव बनाया। युवती द्वारा शादी से इनकार करने तथा घटना की शिकायत थाने में दर्ज कराने की धमकी देने के बाद रामनरेश ने उसका अश्लील वीडियो उसके परिजनों को पोस्ट कर बदनाम करने की कोशिश की। घटना से आहत युवती ने रामनरेश की शिकायत थाने में दर्ज कराई।

पता पूछा तो छात्र ....

उसका सिर जमीन पर पटक दिया। गंभीर रूप से घायल मंगल को उपचार के लिए आंबेडकर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने ग्राम शंकर नगर (खम्हारडीह), प.ह.न. 63 वार्ड नंबर 28, महर्षि बाल्मिकी वार्ड (नया वार्ड नंबर 31) रा. नि. रायपुर तह व जिला रायपुर स्थित आवासीय परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 720/ 3/ ख /4 रकबा 1250 वर्गफिट जिसमें भूतल पर 1000 वर्गफिट, प्रथम तल पर 1000 वर्गफुट द्वितीय तल पर 500 वर्गफिट निर्मित मकान को क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया था तथा भूमि के विक्रय प्रतिफल की अग्रिम ब्याना राशि प्रदान कर संपत्ति का इकरारनामा निष्पादित किया गया है उक्त सौदे से जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निगम को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के सात दिन के अंदर मेरे कार्यालय में दावा आपत्ति प्रस्तुत करें। म्याद गुजरने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा उक्त संपत्ति की रजिस्ट्री अपने पक्ष में करा ली जावेगी। तत्पश्चात किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति मेरे पक्षकार पर बन्धनकारी नहीं होगी।

सो सूचना जाने।

रायपुर
दिनांक 29.06.2024

सचिन श्रीवास्तव (अधिवक्ता)
मारूति होम्स सी-9, कोटा,
रायपुर (छ.ग.)
मो.नं. 9229262656

खबर संक्षेप

पढ़ाई तिहार से पूर्व बच्चों ने निकाली रैली

तिल्दा नेवरा। शासकीय प्राथमिक शाला तिल्दा बांस्टल में 2 जुलाई को होने वाले पढ़ाई तिहार के पूर्व रैली निकाली गई जिसमें माताओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया । शिक्षको के साथ शाला की सक्रिय माताओं ने पढाई तिहार के सफल आयोजन हेतु सभी माताओं को शाला आने हेतु रैली के माध्यम से आमंत्रित किया। रैली काफी प्रभाव पूर्ण रहा, माताएं शाला में पढ़ाई तिहार में आने हेतु उत्साहित हुई। तिल्दा की अंगना मा शिक्षा की BRG श्रीमती रश्मि किरण नायक जो की बंस्टल स्कूल की अंगना मा शिक्षा कि प्रभारी भी है उन्ही के नेतृत्व में ये रैली सफलता पूर्वक निकाला गया।

विश्व कप क्रिकेट की जीत पर भारतीय टीम को बधाई

तिल्दा नेवरा। राजस्व एवं खेल मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने टी-20

विश्व कप क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका पर शानदार विजय प्राप्त करने पर छत्तीसगढ़ के सभी लोगो को बधाई दी है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वेस्टइंडीज के बारबाडोस में खेले गए रोमांचक मैच ने एक समय पर लोगों के दिलो की धड़कन को बढ़ा दिया था। भारतीय गेंदबाजों के घातक गेंदबाजी ने अफ्रीकी टीम की कमर तोड़ दी। देश और राज्य के सभी लोगो को हार्दिक बधाई देते हुए श्री वर्मा ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्यों ने विश्व कप क्रिकेट में जीत दर्ज कर विश्व इतिहास में अपना नाम अमर कर लिया है।

युगांश, सोनाक्ष व गुणवंश खेलेंगे नेशनल गोल्फ

तरपोंगी। तरपोंगी निवासी युगांश वर्मा, सोनाक्ष निषाद व गुणवंश निषाद का चयन इंदौर में होने वाले सब जूनियर नेशनल मिनी गोल्फ में हुआ है। इससे पूर्व यह तीनों छत्तीसगढ़ स्टेट लेवल पर खेल चुके हैं जिसमें सोनाक्ष निषाद व युगांश वर्मा ने डबल्स इवेंट में गोल्ड मेडल प्राप्त किए हैं। गुणवंश निषाद ने भी सिंगल इवेंट में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है अब इनका चयन नेशनल खेल के लिए हुआ है यह तीनों अभी स्कूल में पढ़ रहे हैं। युगांश वर्मा स्वामी आत्मानंद स्कूल कुंरा में कक्षा चौथी के छात्र है। सोनाक्ष निषाद कक्षा 5 वी , गुणवंश निषाद कक्षा दूसरी शिवांश इंटरनेशनल स्कूल कुंरा के छात्र हैं।

थाना परिसर में नया कानून क्रियान्वयन उत्सव आज

तिल्दा नेवरा। 1 जुलाई को नवीन आपराधिक कानून, भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 का क्रियान्वयन पूरे देश में एक साथ होने वाला है। जिसका क्रियान्वयन उत्सव तिल्दा नेवरा थाना परिसर में सुबह 11 बजे आयोजित किया जा रहा है। इस उत्सव में सभी गणमान्य नागरिक, पत्रकार एवं प्रबुद्ध जनो को सादर आमंत्रित किया गया है।

निधन

सतरूपा वर्मा

तरपोंगी। तरपोंगी निवासी सतरूपा वर्मा का 30 जून को सुबह निधन हो गया। वे 86 वर्ष की थी। उनकी

अंतिम संस्कार ग्राम तरपोंगी में किया गया। वे अशोक, संतोष, नरेश,उमा, उपेंद्र वर्मा की माता थी। अंतिम यात्रा में गणमान्य नागरिक सहित बड़ी संख्या में सामाजिक गण व ग्रामीण शामिल हुये।

पटेल समाज सब्जियों की खेती में जैविक पद्धति को बढ़ावा दे : इन्द्रकुमार

कोसरिया मरार पटेल समाज अभनपुर राज के सामाजिक सम्मेलन में विधायक पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ अभनपुर

कोसरिया मरार पटेल समाज अभनपुर राज की सामाजिक सम्मेलन नगर के सिन्हा सामाजिक भवन मे संपन्न हुई। सम्मेलन मे समाज विकास पर विभिन्न परिचर्चा एवं प्रकरण संबंधित मामलो का निराकरण किया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप मे अभनपुर विधायक इन्द्रकुमार साहू शामिल हुये। इस अवसर पर विधायक श्री साहू ने कहा कि मरार समाज बहुत ही मेहनती और संगठित समाज है। पटेल समाज सर्व समाज के लिए सब्जी भाजी उत्पादन कर पोषक आहार प्रदान करने का कार्य करते है। विधायक श्री साहू ने

इनकी रही उपस्थिति

इस दौरान प्रदेश संरक्षक बिशेषर पटेल, बालोद राज अध्यक्ष पुरूषोत्तम पटेल, धमतरी अध्यक्ष शगुन पटेल,रायपुर अध्यक्ष राजकु मार पटेल,धमेन्द्र पटेल,कन्हैया पटेल,मधुसूदन पटेल,महेन्द्र पटेल,भारत पटेल,राधेश्याम पटेल,कामता पटेल,पंचू पटेल,सोमनाथ पटेल,माधो पटेल,गिरीश पटेल,दुर्गेश पटेल,झड़ी पटेल,मुकेश ढीढी,हरीश पांडे,गुपेश पटेल,गैदू पटेल,हितेश पटेल,बिट्टू पटेल,नोहर पटेल,तातू पटेल,महादेव पटेल,देवा पटेल,गंगाराम पटेल सहित पदाधिकारी व सामाजिकजन उपस्थित रहे।

जैविक खेती को बढ़ावा देने की अपील करते हुए कहा समाज आधुनिकता की ओर बढ़े और शिक्षा व व्यवसाय को बढ़ावा दे। पटेल समाज शिक्षा के क्षेत्र मे अलग पहचान बना रही है जो समाज को आने वाले समय मे नया आयाम प्रदान करेगी।

जिलाध्यक्ष ईश्वर पटेल एवं राज अध्यक्ष मनराखन पटेल ने कहा कि सामाजिक विकास हेतु समाज को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना होगा तभी समाज का विकास होगा जब तक समाज आर्थिक ,सामाजिक ,शैक्षणिक एवं राजनीतिक रूप से मजबूत ना हो तब तक के समाज को विकसित समाज नहीं कहा जा सकता।

बैठक : मोदी के मन की बात- जनता और प्रधानसेवक के बीच संवाद का सेतु

पीएम मोदी के मन की बात से मिलती है प्रेरणा, होते हैं जागृत : खुशवंत गुरु

हरिभूमि न्यूज ▸▸ मंदिर हसौद/आरंग

मन की बात के सीधा प्रसारण को आज आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब मंदिर

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 111वें मन की बात को विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने मंदिर हसौदवासियों के साथ सुना

हसौद नगर पालिका के नगरवासियों के साथ पुरे उत्साह और उमंग के साथ सुना। मन की बात कार्यक्रम आज देश के सबसे प्रसिद्ध कार्यक्रम बन गया है। मन की बात में कल, आज और कल की बाते समाहित रहती हैं।

मन की बात के 111वें संस्करण पर जानकारी देते हुए विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज चुनाव आयोग और उससे जुड़े सभी कर्मियों को सफल संचालन के लिए बधाई देते हुए मन की बात कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण की अपील की है। आइये हम सभी एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण करें एवं

#Plant4Mother हैशटैग के साथ सोशल मीडिया पर फोटो अपलोड कर अन्य लोगो को भी इस अभियान में सम्मिलित होने में लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री जी ने हुल दिवस, माँ के स्नेह व महत्व, कार्थुम्बी छाते, टोक्यो ओलम्पिक, कुवैत रेडियों, तुर्कमेनिस्तान गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की प्रतिमा अनावरण, योग दिवस, आंध्रप्रदेश के अरकु कॉफी, जम्मू कश्मीर की स्नो पीस, आकाशवाणी के संस्कृत बुलेटिन के 50 साल पुरे, बेंगलुरु के कब्बन पार्क की जानकारी मन की बात के मध्याम से प्रमुख रुप से दी।

गुरु खुशवंत साहेब विधायक ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात केवल एक कार्यक्रम ही नहीं हैं बल्कि यह एक महाअभियान हैं देशवासियों को प्रेरित करने का, नागरिकों को जागृत करने का, देश की ताकत से अवगत कराने का। मन की बात के माध्यम से नागरिकों को नवीन अविष्कारों के साथ-साथ पुरस्कार व घटनाओं की भी जानकारी मिलती हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी जब मन की बात के माध्यम से उत्कृष्ट कार्य कर रहे नागरिकों की जानकारी देते हुए उनके कार्यों की चर्चा करते हैं तो यह पल करोड़ों लोगो के लिए प्रेरणा बन रही होती हैं। यही प्रेरणा एक दिन समाज के साथ-साथ देश का नाम रोशन करती हैं। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी,कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित थे।

ओपीएस का आदेश एलबी शिक्षकों के हितों पर कुठाराघात है : दीवान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ आरंग

संविलय तिथि से पुरानी पेंशन के आदेश से राज्य के हजारो एल.बी. शिक्षकों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। इस आदेश से शिक्षकों को बहुत बड़ा आर्थिक नुकसान होगा। साथ ही पिछली सेवा व्यर्थ चली जायेगी। एक प्रेस विज्ञप्ति में शिक्षक कल्याण संघ आरंग प्रवक्ता पं. छत्रधर दीवान ने कहा कि प्रथम नियुक्ति तिथि से पेंशन लागू नहीं करने से एल.बी. शिक्षकों में रोष है। उन्होंने प्रदेश सरकार से शिक्षकों की भावना का सम्मान करते हुए इस आदेश में संशोधन कर प्रथम नियुक्ति तिथि से ही पेंशन प्रदान करने का आग्रह किया है, ताकि उन्हें अपनी मांगो को लेकर सड़क पर उतरना न पड़े। उन्होंने वेतन विसंगति पदोन्नति क्रमोन्नति जैसी अन्य मांगो को शीघ्र पूर्ण करने का आग्रह किया है।

सनातन धर्म परिषद के हेमंत चंद्राकर, हीरामणि साहू, डी.पी. बघेल, रोमेश चंद्राकर, जगजीवन जांगड़े आदि ने पेंशन हेतु संपूर्ण सेवा अवधि को 33 वर्ष से घटाकर 20 वर्ष करने तथा डी.ए. संबंधी आदेश मे संशोधन कर राज्य कर्मचारियों को भी 4 प्रतिशत डी.ए. प्रदान करने का आग्रह किया है।

बच्चों ने सीखा सीड बाल बनाना, किया पौधारोपण

आरंग। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में शनिवार को शिक्षकों के मार्गदर्शन में सुरक्षित शनिवार के तहत बच्चों ने सीड बाल बनाना सीखा। जिसमें मिट्टी के गोले बनाकर कुम्हड़ा, तोरई, लौकी, भुट्टा, करेला, बरबट्टी, इत्यादि बीजों का सीड बाल बनाया। साथ ही स्कूल परिसर में पौधरोपण कर जनमानस को हरियाली का संदेश दिया। इस अवसर पर नोडल प्राचार्य सीएल साहू पहुंचकर शालेय गतिविधियों का अवलोकन करते हुए शिक्षको द्वारा सुरक्षित शनिवार के तहत की जा रही विभिन्न गतिविधियों की सराहना किए। इस अवसर पर संस्था प्रमुख केके परमाल, वरिष्ठ शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल, अशोक कुमार चंद्राकर, सूर्यकांत चंद्राकर, दीनदयाल धीवर, शिक्षिका संगीता पाटले सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों की उपस्थिति व सहभागिता रही।

छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ की नियमित मासिक बैठक संपन्न

तिल्दा नेवरा। कर्मचारी भवन तिल्दा में छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ की नियमित मासिक बैठक सम्पन्न हुई। छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ तहसील शाखा तिल्दा के महामंत्री अभिमन्यु वर्मा ने सबसे पहले बैठक के प्रमुख बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।

पेंशनधारी कल्याण संघ तहसील शाखा तिल्दा के समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे। श्री चिंता राम वर्मा, नोहर लाल बघेल जे.एल सिरमौर पी.एल .साहू,और कुलेश्वर निषाद के जन्म दिवस होने पर संघ के अध्यक्ष श्री रामावतार पांडेय ने उन्हें गुलाल लगाकर श्रीफल से सम्मानित किया। कवि एवं साहित्यकार गोपाल वर्मा ने अपनी सुमधुर कविता से सभी को आत्मविभोर कर दिया। श्री यशवन्त कुमार वर्मा की कविता सराहनीय रही। बैठक में श्री जवाहर लाल सिरमौर, रमेश कुमार वर्मा, उधो राम वर्मा,श्री एस. के.सर ने अपनी बात रखी। इस बैठक में श्री तुलसीराम वर्मा, घनश्याम वर्मा,एस.एन.गुप्ता,एस.एस.बैस, मालिकराम साहू, रघुनंदन लाल शांडिल्य ,आर.एल.सर,एस.बर्मन,और कई अन्य साथियों ने अपनी उपस्थिति दी। छत्तीसगढ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ तहसील शाखा तिल्दा के अध्यक्ष अभिमन्यु वर्मा के सेवानिवृत्त बाद संघ के सचिव भागीरथी पांसे को छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ तहसील शाखा तिल्दा का कार्य कारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया।आभार प्रदर्शन संघ के कोषाध्यक्ष जवाहर लाल सिरमौर ने किया।

जल शक्ति अभियान का द्वितीय चरण आज से, 26 ग्राम पंचायतें शामिल

आरंग। जिला कलेक्टर रायपुर डॉ. गौरव कुमार सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप सर के मार्गदर्शन में जल शक्ति अभियान अर्थात नारी शक्ति से जल शक्ति अभियान का द्वितीय चरण का शुभारंभ 1 जुलाई से होने जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत आरंग कुमार सिंह लहरे ने बताया कि इस चरण में 26 ग्राम पंचायत शामिल है। इसके अंतर्गत सभी ग्रामों में जल चौपाल, जल वाहिनी दीदियों की सभा का आयोजन, जल सुरक्षा हेतु शपथ, जल जागरुकता रैली, बैनर एवं दीवार लेखन से प्रचार–प्रसार, जल स्रोतों की साफ सफाई, प्राकृतिक वर्षा जल बहाव क्षेत्र की साफ–सफाई, कुवो की साफ–सफाई, वृक्षारोपण, वर्षा जल को संचित करने हेतु रिचार्ज पिट का निर्माण, भूमिगत जल संचय हेतु डाइक का निर्माण, जल की गुणवत्ता फ्लोराइड आदि की जांच एवं प्रशिक्षण एवं मृदा में नमी की मात्र का परीक्षण एवं नालों में जल बहाव की मात्र का परीक्षण समस्त शासकीय भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की मरम्मत साफ–सफाई एवं नवीन निर्माण आदि शामिल है एवं जल संसाधन विभाग, पीएचई एवं अन्य विभागों के समन्वय से क्रियान्वयन होना है तथा इस दिशा में सरपंच, पंचायत सचिव, जल वाहिनी दीदियों एवं जनपद की टीम के द्वारा कार्य भी प्रारंभ हो चुका है तथा यह कार्यक्रम जल है तो कल के संदेश को चरितार्थ करता है।

एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टापेज को लेकर आरंग बाजार समिति सांसद से मिले

आरंग। बाजार समिति आरंग ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल को ज्ञापन सौंपकर आरंग महानदी रेलवे स्टेशन में एक्सप्रेस ट्रेन का स्टापेज एवं टिकट आरक्षण केन्द्र खुलवाने की मांग की है। बाजार समिति के अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन के नेतृत्व में बाजार समिति के प्रतिनिधि मंडल ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल से उनके निवास पर मुलाकात कर अपनी बात रखते हुए बताया कि आरंग नगर मे यात्री परिवहन हेतु सड़क एवं रेल मार्ग स्थापित है परंतु आरंग से होकर गुजरने वाली किसी भी एक्सप्रेस ट्रेन का स्टापेज नहीं है। आरंग नगर पुरे विधानसभा का मुख्यालय है एवं मंदिर देवालय की एक धार्मिक नगरी भी है। जिसे पर्यटन स्थल बनाने की घोषणा आपके द्वारा की जा चुकी है तथा आरंग विधानसभा क्षेत्र की जनसंख्या लगभग पांच लाख है जो अपने आवागमन हेतु रेल परिवहन पर निर्भर है।

एक्सप्रेस ट्रेन का स्टापेज आरंग नगर मे न होने की वजह से जिन्हे अपनी ट्रेन पकड़ने हेतु महसमुंद या रायपुर जाना पड़ता है, जिससे लोगो को घोर कठिनाईंयो का सामना करना पड़ता है। बाजार समिति आरंग ने सांसद से आग्रह किया है कि आरंग नगर मे टिकट आरक्षण केन्द्र एवं आरंग महानदी रेलवे स्टेशन में 03 एक्सप्रेस ट्रेन कोरबा विशाखापट्टनम एक्प्रेस (लिंक एक्सप्रेस), दुर्ग पुरी इंटरसिटी, हजरत निजामुद्दीन से विशाखापट्टनम (समता एक्सप्रेस) का स्टापेज प्रदान करवाकर नगरवासियो को बड़ी सौगात प्रदान करे। प्रतिनिधि मंडल में दिलीप चंद्राकर, राकेश गुप्ता, दिनेश चंद्राकर, शरद गुप्ता शामिल थे।

गुल्लू में शाला प्रवेशोत्सव धूमधाम से मना

आरंग। शासकीय प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक शाला गुल्लु एवं प्राथमिक शाला पटेल पारा गुल्लु के संयुक्त तत्वाधान मे पूर्व माध्यमिक शाला परिसर मे शनिवार को शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। बैंड बाजे एवं सुसज्जित बैलगाडी में प्राथमिक शाला पटेल पारा से निकलकर नवप्रवेशी बच्चों को उनके घरों से आरती कर चन्दन, रोली, रक्षा सूत्र फूलो से स्वागत किया। गली भ्रमण करते हुए पूर्व माध्यमिक शाला पहुंचे, वहां भी एसएमसी सदस्यों, पालकगण, शिक्षकगण एवं गांव के गणमान्य नागरिकों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां शारदे की वंदना एवं अतिथियो पालको शिक्षको की स्वागत के साथ हुई, अतिथियो द्वारा कक्षा पहली से आठवीं तक के प्रथम आने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

जाम पड़ी नाली की सफाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ तिल्दा नेवरा

वार्ड क्रमांक 15 स्थित एक बड़ा नाली जहां पर पानी निकासी होता है जो कि जाम हो गया था। कुछ लोगों के द्वारा दुकान और घरों का निर्माण कर किया गया था जिसमें स्लैब व मलबा नाली में ही गिरा हुआ था जहां पर पहली ही बरसात के पानी निकासी की समस्या हो रही थी। पार्षद लता सोनू मारखंडे द्वारा संज्ञान में लेते हुए तत्काल इसकी जानकारी नगर पालिका के सीएमओ अनीश ठाकुर को दी जहां पर रविवार को सुबह से ही पार्षद प्रतिनिधि सोनू मारखंडे, इंजीनियर एवं नगर पालिका कर्मचारियों को लेकर नाली की सघन साफ- सफाई करवाई गई। साथ ही नाली के मलबे को युद्ध स्तर पर निकल गया। जिसके बाद पानी निकासी नाली से सुचारू रूप से प्रारंभ हुआ है। साथ ही वार्ड के पार्षद ने आम लोगों से अपील की है कि जब भी मकान या घर बनाए तो नाली को दूर रखकर नाली से बचाव कर बनाएं। स्लैब, मलबा को नाली में नही डालें। पानी का निकासी आसानी से हो सके क्योंकि निर्माण के बाद निर्माण सामग्री स्लैब आदि नाली में गिर जाता है जिसके चलते नाली जाम हो जाता है। और पानी की निकासी नहीं हो पाती। वहीं नालियों की सघन सफाई होने से वार्ड 15 के निवासी आज सुबह से खुश नजर आए।

निनवा में मनाया गया संकुल स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव

बच्चों का तिलक किया, किताब व गणवेश बांटी, छाया उल्लास

हरिभूमि न्यूज ▸▸ तिल्दा नेवरा

संकुल केंद्र निनवा में शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। बच्चों का तिलक लगा और पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया गया। गणवेश- किताबें मिलने से बच्चों के चेहरे खिले उठे।

- ग्राम को साक्षर ग्राम बनाने अभी से जुड़कर जगानी होगी अलख

कार्यक्रम का शुभारम्भ मां शारदे की पूजा आराधना से किया गया, बच्चों ने एक स्वर में वंदना प्रस्तुत की। सरपंच बिंदिया वर्मा मुख्य अतिथि रहीं, प्राचार्य गोपाल वर्मा ने अध्यक्षता की। स्वागत भाषण में समन्वयक नरोत्तम ध्रुव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बुनियादी शिक्षा और संख्या ज्ञान को बताया। विभिन्न शैक्षिक लाभ को ओर ध्यान दिलाकर शासकीय शाला

में अधिक से अधिक बच्चों को प्रवेश दिलाने पर जोर दिया। अतिथियों ने कक्षा पहली, छठवीं, नवमीं के बच्चों को पाठ्य पुस्तक, गणवेश देकर मिठाई खिलाई। इसके पहले पुष्प हार के साथ तिलक लगा कर स्वागत किया गया। स्वागत व किताबें व गणवेश मिलने से सभी बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। प्रधान पाठक सिलपट्टी धीरही ने बच्चों को नशा से दूर रहने के साथ ही लगन और मेहनत से पढ़ने की नसीहत दी। पूर्व सरपंच गिरेंद्र साहू ने कहा कि हमारा ग्राम शिक्षा ग्राम बने, इसके लिए हम सभी को मिल कर कार्य करने की जरुरत है। गोविन्द सारंग ने भी कहा कि ग्राम को साक्षर ग्राम बनाना है तो अभी से जुड़ कर अलख जगानी होगी।

अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्राचार्य गोपाल प्रसाद वर्मा ने भी संकुल को शैक्षिक हब बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करने, विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ भी दिलाने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए निर्मल कुमार साहू ने शाला परिवार की ओर से सभी का आभार प्रदर्शन करते हुए समापन की घोषणा की।

इस अवसर पर एमएस प्रधानपाठक जे के वर्मा, पी एस से नीरा मांझी, शिक्षक कीर्ति साहू, उपासना वर्मा, सुषमा शर्मा, तारा बाई साहू, भुनेश्वरी दीक्षित, राधिका साहू, निर्मला वर्मा, शिला यादव, हीरोन्दी साहू, कमलनारायण धीवर, जनकलाल साहू, मोहन खरे, हेमचरण पटेल, संगीता वर्मा, धनेश्वरी कुर्रे आदि बच्चों सहित शामिल हुए।

चकल्लस

गजब अचंभा देखा रे भैया...

रविवि को सवा साल पहले नया मुखिया मिला था। आते ही जो ताबड़-तोड़ प्रयोग साहब ने किए, उसका कहना ही क्या? अब सुनिए... प्रयोग सारे के सारे खत्म हो गए तो साहब नए-नए तिड़कम भिड़ा रहे हैं। बीते दिनों कुछ ऐसा हुआ, जिसे सुनने वाले हर एक ने कहा- ये जरूरी था क्या? मतलब रविवि के ही दो विभागों के मध्य एमओयू साइन करवा दिए साहब ने। विभाग वाले भी बेचारे यह नहीं समझ पा रहे हैं कि ऐसा करके आखिर साहब करना क्या चाह रहे हैं? आपस में सिर धुनते बैठे रहे, अब उन्हें समझाकर और कुछ कहकर अपने पैर में कुल्हाड़ी क्यों मारें? खैर... साहब की साहब ही जानें।

टेंशन को भोज का न्योता

स्कूलों में इन दिनों न्योता भोज का नया-नया कॉन्सेप्ट शुरु हुआ है। शाला प्रबंधन के लिए यह टेंशन को न्योता देने वाला साबित हो रहा है। क्या है कि इस योजना के अंतर्गत भोजन कराने वालों में अधिकतर फोटो खिंचवाने वाले आत्ममुग्ध टाइप के लोग ही आ रहे हैं। भोजन के बाद फोटोशूट का सिलसिला चलता रहता है। शाला प्रबंधन वाले भी दबाव में कुछ कह नहीं पाते। खाने की गुणवत्ता की अलग टेंशन रहती है। पढ़ाई डिस्टर्ब होते रहती है वो अलग। अब जाने दीजिए... कुछ ना कुछ तो नया करना ही है, वरना पता कैसे चलेगा कि शासन-प्रशासन स्तर पर काम हो रहा है।

हारे कई बार, फजीहत पहली बार

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी की चुनावी हार का लंबा इतिहास रहा है, अगर राज्य गठन के बाद की ही बात की जाए तो पहली बार एमपी के भरोसे कांग्रेस की सरकार बनी। इसके बाद लगातार तीन बार विधानसभाओं के चुनाव हारे। फिर एक बार जीते तो अगली बार हार हो गई। लोकसभा की बात ही मत पूछिए... कभी दो सीटों से ज्यादा नहीं जीत पाए। इस बार तो एक ही सीट हाथ आई, लेकिन इसमें नया ये है कि पहली बार कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनाव की समीक्षा करा रही है। हर लोकसभा की समीक्षा में प्रत्याशियों समेत नेताओं पर हार का ठीकरा फूट रहा है, सिर फुटौव्वल हो रहा है। बेचारे कांग्रेसियों का दर्द ये है कि हारे तो कई बार हैं, लेकिन ऐसी फजीहत पहली बार हो रही है।

मौसम विज्ञानी अफसर

सियासी लोग कई नेताओं को मौसम विज्ञानी नेता कहते हैं, यानी वे मौसम का रुख भांपकर दलबदल करते हैं। लगता है, अगली पार्टी में जगह बन जाएगी तो उसकी तारीफ करने लगते हैं। दो-चार दिन बाद पता लगता है कि वे पार्टी छोड़ गए। हम देख रहे हैं कि अब यही तरीका कई बड़े अफसर भी अपना रहे हैं। सरकार बदलने के बाद अखिल भारतीय सेवाओं के कुछ अफसर केंद्र में चले गए हैं, कुछ जाने की तैयारी में लगे हैं। खबर ये भी आ रही है कि राज्य में सरकार बदलने के बाद केंद्र में जमे अफसर वापसी की तैयारी में हैं। नौकरशाही में इन अफसरों की भूमिका मौसम विज्ञानी अफसर की हो गई है।

अब तेरा क्या होगा भैया

चुनाव आए, चुनाव खत्म भी हो गए। लेकिन इस बीच थोक में कांग्रेस छोड़कर भाजपा आने वाले अपना रास्ता खोज रहे हैं। कुछ तो विधानसभा में टिकट की इच्छा से आए थे, वो मुराद पूरी नहीं हुई। क्योंकि यह भाजपा है...यहां ठोंक बजाकर ही कुछ जिम्मेदारी दी जाती है। अब चुनाव के बाद निगम मंडल का ही आसरा है। संगठन में भी बाहरी को आसानी से स्वीकार करने की परंपरा भाजपा में नहीं है। सो, आने वाले पशोपेश में हैं। उनके चंगू-मंगू बार बार पूछते हैं-अब क्या होगा भैया?

गेहूं के साथ घुन

हाल के दिनों में 20 टीआई का स्थानांतरण आदेश जिले के कप्तान साहब ने जारी किया है। जिन टीआई का स्थानांतरण आदेश जारी किया गया, उनमें से दो थानों के टीआई का स्थानांतरण होना तय था, लेकिन कई थानों के टीआई, जो क्रीम थाने मिलने की आस में थे, उनका स्थानांतरण ऐसी जगह कर दिया गया, जिनकी उन्हें उम्मीद नहीं थी। साथ ही जो अपने आपको सेफ जोन में मानकर चल रहे थे, उन्हें अपने स्थानांतरण पर अब भी यकीन नहीं हो रहा है। खबरी बता रहा था कि यह मामला गेहूं के साथ घुन पिसने का है। कुछ टीआई अति कर रहे थे। उनको निपटाते निपटाते साहब ने कई को और चपेटे में ले लिया।

मुनाफे का 30 पर्सेंट

सत्ता पक्ष और विपक्ष में चाहे कितनी भी वैचारिक दूरियां हों, एक मामले में दोनों साथ रहते हैं, वो धनार्जन। अब छत्तीसगढ़ दवा निगम को ही लीजिए। अरबों रुपए की अनुपयोगी दवाओं की सप्लाई में फंसे सप्लायर को बचाने के लिए दोनों तरफ के दिग्गज लगे हुए हैं। एक पूर्व मंत्री जो वर्तमान में विधायक हैं, यहां-वहां हाथ पैर मार रहे हैं। ताकि कंपनी का 400 करोड़ का अटका हुआ पेमेंट हो जाए। सुना है कि वो खूब दबाव बना रहे हैं कि कर दो भुगतान, कुछ नहीं होता। पुरानी सरकार के साहब भी यही चाहते हैं। खबरी बता रहा था कि दोनों को खूब दक्षिणा मिलती रही है। अगर 400 करोड़ का पेमेंट आता है तो मुनाफे में से दोनों को 30 फीसदी तक मिल सकता है। मतलब समझ रहे हैं आप?

क्रीम की लेयर

स्वास्थ्य संचालनालय में पदस्थ उपसंचालकों के बीच नया बंटवारा हो चुका है। जिन्हें क्रीमी समझा जाने वाले विभाग मिला है, वे बड़े खुश हैं, मगर जिन्हें हाथ रूखा-सूखा काम लगा है, उनमें नाराजगी नजर आने लगी है। इस बंटवारे को लेकर एक अफसर की चर्चा जबरदस्त रूप से हो रही है। उनके खाते में ऐसी जिम्मेदारी आई है, जिनका काम हमेशा सुर्खियों में रहता है। संचालनालय में इस बात का हल्ला भी जोरों पर है कि काम का बंटवारा भी उस अफसर ने किया है और लोगों को रूखा-सूखा काम देकर मलाईदार विभाग अपने पास रख लिया है।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, विकास शर्मा, गिरीश केशरवानी, रुचि वर्मा।

प्राधिकरणों में पांच विधायक बनेंगे उपाध्यक्ष, मिलेगा कैबिनेट मंत्री का दर्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार के अधीन पांच प्राधिकरणों का पुनर्गठन किया जा रहा है। इन सभी प्राधिकरणों के अध्यक्ष मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे। साथ ही प्राधिकरणों में उपाध्यक्ष के रूप में विधायकों को शामिल किया जाएगा।

इन पांचों प्राधिकरणों में उपाध्यक्ष बनने वाले विधायकों को कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिलेगा। उपाध्यक्षों के निजी कार्यालय के लिए स्टाफ की व्यवस्था राज्य शासन द्वारा दी जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में पिछले दिनों हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में पांच प्राधिकरणों के पुनर्गठन का निर्णय लेते हुए यह तय किया गया था कि मुख्यमंत्री इन पांचों प्राधिकरणों के अध्यक्ष होंगे। खास बात ये है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भी ये प्राधिकरण काम कर रहे थे, तत्कालीन सरकार की व्यवस्था में मुख्यमंत्री की जगह वरिष्ठ विधायकों को प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाया गया था। अब सरकार बदलने के बाद तय किया गया है कि मुख्यमंत्री प्राधिकरणों के अध्यक्ष होंगे, यानी प्राधिकरणों की कमान सीधे तौर पर मुख्यमंत्री के हाथों होगी।

इन पांच प्राधिकरणों की कमान सीएम के हाथ

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में जो प्राधिकरण गठित किए जा रहे हैं, उनमें मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण, सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण, बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण शामिल हैं।

प्राधिकरणों का पुनर्गठन

राज्य सरकार ने प्राधिकरणों के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस सिलसिले में सभी पांच प्राधिकरणों के लिए नए सिरे से उद्देश्य, प्राधिकरण का कार्यक्षेत्र तय किया गया है। प्राधिकरण का गठन किस प्रकार होगा। इसकी नई व्यवस्था की गई है। प्राधिकरणों में अध्यक्ष मुख्यमंत्री, उपाध्यक्ष के रूप में क्षेत्र के निर्वाचित विधायकों को शामिल किया जाएगा। हर प्राधिकरण में क्षेत्र के हिसाब से आरक्षित वर्ग के विधायकों को शामिल किया जाएगा। इसके अलावा भी एक दर्जन के करीब विधायक सदस्य के रूप में शामिल होंगे।

वीरप्पा मोइली और सचिन पायलट नहीं पहुंचे

बस्तर लोकसभा में कांग्रेस की हार पर फूटा गुबार, कवासी भड़के, अध्यक्ष पर भी आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/कांकेर

बस्तर और कांकेर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के कारणों की समीक्षा के दौरान एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप सामने आए हैं। बताया गया है कि बस्तर के कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा उस समय भड़क गए, जब कहा गया कि बस्तर में प्रत्याशी बदलने के कारण हार हुई। लखमा सर्मथकों ने इसके जवाब में आरोप लगाया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के समर्थकों ने काम नहीं किया, इसलिए हार हो गई।

उधर कांकेर लोकसभा क्षेत्र में आने वाले विधानसभा के कांग्रेसी विधायकों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठे। खास बात ये भी है कि समीक्षा बैठक करने छत्तीसगढ़ भेजे गए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के अध्यक्ष वीरप्पा मोइली के अलावा हरीश चौधरी व प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट को कांकेर पहुंचना था, लेकिन वहां केवल हरीश चौधरी ही पहुंचे। बस्तर व कांकेर लोकसभा में कांग्रेस को मिली हार के कारणों को जानने के लिए राष्ट्रीय तथा प्रदेश के नेता रविवार को कांकेर पहुंचे। कांकेर के राजीव भवन में दरबार लगाने के बजाय विश्राम गृह में दरबार लगाया। दरबार में बस्तर संभाग की 12 विधानसभा व सातों जिलों के पदाधिकारियों, विधायक से बंद कमरे में संवाद किया गया। हो-हल्ला से बचने के लिए कांकेर पहुंचे नेताओं ने एक-एक पदाधिकारी से बातचीत की, वहीं हार के कारणों को खुलासा नहीं करने की बात कही।

चौधरी के साथ शामिल हुए प्रदेश के नेता

लखमा भड़के

बस्तर लोकसभा को लेकर यह चर्चा रही कि प्रत्याशी के बदल दिए जाने के कारण कवासी लखमा की हार हुई। इसी बात को लेकर कवासी लखमा भड़क गए। श्री लखमा के समर्थकों का कहना था कि प्रदेशाध्यक्ष के समर्थकों ने काम नहीं किया, उसी का परिणाम रहा कि बस्तर लोकसभा चुनाव हार गए। लोकसभा कांकेर को लेकर यह चर्चा रही कि बालोद जिले के तीनों विधानसभा में कांग्रेस के विधायक हैं। बालोद और गुंडरदेही से हार मिलने के कारणों को जानने के लिए विधायक से सवाल किए गए, विधायकों ने जो कहा, उससे राष्ट्रीय पदाधिकारी खुश नजर नहीं आए।

रिपोर्ट गोपनीय, इसे कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपेंगे

फैक्ट फाइंडिंग कमेटी में शामिल हरीश चौधरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह कांग्रेस की आंतरिक समिति है। हमारी समिति विधायक, पूर्व विधायक, जिलाध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष से बातचीत कर रिपोर्ट बना रही है और यह रिपोर्ट अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपी जाएगी।

विधायकों के खिलाफ मचा हल्ला

लोकसभा कांकेर में बालोद जिले के दो विधायक और धमतरी के एक विधायक के क्षेत्र में हार होने का हल्ला सबसे ज्यादा मचा। संगठन के लोगों का कहना है कि विधायक संगठन के कुछ लोगों को ही साथ में लेकर काम करते हैं, शेष पदाधिकारियों की कोई पूछपरख नहीं रहती। बालोद जिले की दो विधानसभा में विधायक की कार्यशैली से नाराज होकर कई पदाधिकारी लोकसभा चुनाव के पहले कांग्रेस का दामन छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए, उसी के चलते बालोद में बहुत बड़ा गड्ढा हो गया है, उसी तरह का हाल गुंडरदेही का रहा। धमतरी जिले के नगरी सिहावा विधानसभा के संगठन के लोगों की जो नाराजगी थी, उस नाराजगी को विधायक ने दूर नहीं किया, जिससे कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में सही ढंग से काम नहीं हुआ और इस विधानसभा में हार का सामना करना पड़ा। इस विधानसभा से सदैव कांग्रेस आगे रहती थी, इस बार कांग्रेस पीछे रही। इस समीक्षा बैठक में एआईसीसी के सचिव व प्रदेश सहप्रभारी विजय जांगिड़, सह प्रभारी चंदन यादव, प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज, प्रतिपक्ष नेता डॉ. चरणदास महंत के अलावा बस्तर संभाग के कांग्रेस विधायक, बालोद जिले के कांग्रेस विधायक, धमतरी जिले के कांग्रेस विधायक व संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डीएपी की कमी, बता रहे दूसरी खाद का विकल्प

फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में खेती-किसानी के सीजन में खाद-बीज की मांग तेज होने के साथ ही इसकी कमी की जानकारी भी सामने आती रहती है। दूसरी ओर सहकारिता क्षेत्र से लगातार दावा किया जा रहा है कि खाद-बीज की कोई कमी नहीं है। इस मामले को लेकर राज्य सरकार भी गंभीर है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अधिकारियों के निर्देश दे चुके हैं कि किसानों को खाद-बीज की कमी नहीं होनी चाहिए, लेकिन मार्कफेड द्वारा जारी एक पत्र से ये सामने आई है कि खाद की कमी है। यही नहीं, किसान डीएपी 18:46 खाद की मांग कर रहे हैं तो उन्हें दूसरा विकल्प बताया जा रहा है।

■ मार्कफेड ने समितियों को सुझाया- दूसरी खाद लें

मार्कफेड के जिला विपणन अधिकारी ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की नवापारा शाखा को एक पत्र भेजा है। यह पत्र अभनपुर क्षेत्र की कुछ सोसायटियों में किसानों की जानकारी के लिए नोटिस बोर्ड पर चस्पा किया गया है। पत्र में कहा गया है कि नवापारा शाखा के लिए 200 मीट्रिक टन डीपीए खाद की मांग की गई। खरीफ वर्ष 2024 में डीएपी 18:46 की कमी की संभावना को देखते हुए विकल्प के रूप में एसएसपी एवं एनपीके उर्वरक का उपयोग किया जाना है। जिन समितियों में डीएपी की कमी है, उन समितियों में वैकल्पिक खाद एसएसपी एवं एनपीके के उर्वरक के लिए समितिवार मांग देंगे, ताकि उर्वरक कंपनियों से मांग के अनुसार उर्वरक का भंडारण समितियों में कराया जा सके।

बैज ने कहा- भाजपा सरकार में चल रही कमीशनखोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी भाजपा सरकार की पहचान बन गई है। बिना कमीशन के प्रदेश में किसी विभाग में कोई काम नहीं हो सकता। आबकारी, पीएचई, कृषि सभी विभागों में कमीशन के टार्गेट फिक्स हो गए हैं। अब तो लोग साय सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ लामबंद हो रहे हैं।

■ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रदेश की भाजपा सरकार को घेरा

श्री बैज ने कहा, आबकारी विभाग में अधिकारी दुकानों को कमीशन का टार्गेट दे रहे हैं, इसका वीडियो वायरल हो रहा है। राजनांदगांव के कांट्रेक्टर एसोसिएशन द्वारा जल जीवन मिशन योजना में ठेकेदारों को भुगतान के एवज में पीएचई विभाग के ईई और एसडीओ द्वारा 10 प्रतिशत की कमीशन मांगे जाने की लिखित शिकायत विगत 2 अप्रैल को जल जीवन मिशन के प्रदेश संचालक से की है। डेढ़ महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद भी छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने उक्त शिकायत पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के मंत्रियों का मौन इस बात का प्रमाण है कि भाजपा सरकार की सहमति और संरक्षण में ही लूट का यह खेल खेला जा रहा है। कांट्रेक्टर एसोसिएशन ने अपने शिकायत पत्र में यह भी कहा है कि ईई और एसडीओ द्वारा यह बताया गया है कि उनके द्वारा लिए जाने वाला कमीशन ऊपर वालों के लिए है।

न खाऊंगा न खाने दूंगा सिर्फ जुमला

श्री बैज ने कहा कि आबकारी और जल जीवन मिशन में अधिकारियों की कमीशनखोरी का खुलासा भाजपा सरकार का आईना है। भाजपा नेताओं का पूरा फोकस केवल कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार पर है।

सभी नगरीय निकायों में प्री-ऑडिट के निर्देश

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरीय निकायों में वित्तीय अनुशासन में कसावट लाने सभी आय एवं व्यय के प्री-ऑडिट के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पिछली सरकार द्वारा ऑडिट प्रक्रिया बंद कर दिए जाने के कारण ऑडिट से रह गए विगत चार वर्षों की नस्तियों के पोस्ट ऑडिट कराने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रदेश के सभी 184 नगरीय निकायों के साथ ही नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के यांत्रिकी प्रकोष्ठ तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण यानी सूडा का भी ऑडिट कराने कहा है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगरीय निकायों में कड़े वित्तीय अनुशासन के लिए प्री-अंकेक्षण-सह-आंतरिक अंकेक्षण की प्रक्रिया को पुनः प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं।

सोरेन के बयान पर बिफरे सीएम साय ने कहा- आदिवासी समाज का अपमान न करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उस बयान पर आड़े हाथों लिया है, जिसमें उसने भाजपा शासित राज्यों के आदिवासी मुख्यमंत्रियों को रबर स्टाम्प बताया है। इस बयान पर बिफरे सीएम श्री साय ने पलटवार करते हुए सोरेन परिवार को जनता को लूटकर गाढ़ी कमाई करने वाला परिवार कहा है। श्री साय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा है कि देशभर में जिस तरह से भाजपा सक्षम आदिवासी नेतृत्व दे रही है, ऐसा इससे पहले कभी नहीं था। ऐसे में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आदिवासी मुख्यमंत्रियों के बारे में अनर्गल प्रलाप निंदनीय है। यह देशभर के आदिवासी और पिछड़े समाज का अपमान है। जीवनभर अपने कृत्यों से सोरेन परिवार जिस तरह आदिवासी समाज को बदनाम करता रहा है, वह भी निंदनीय है। जनता की गाढ़ी कमाई लूटकर अपनी तिजोरी भरने वाले सोरेन और उनकी पार्टी को आगामी विधानसभा चुनाव में झारखंड की जनता सबक सिखाने का मन बना चुकी है। यही कारण है कि अब वे समाज के प्रति ही अनाप-शनाप बयानबाजी पर उतारू हो गए हैं। सोरेन परिवार के रिश्वत कांड को भी अभी तक जनता भूली नहीं है।

■ सोरेन परिवार ने जीवनभर अपने कृत्यों से आदिवासी समाज को बदनाम किया

अंतिम फैसला बाकी

मुख्यमंत्री ने कहा, श्री सोरेन को यह समझ लेना चाहिए कि महज जमानत मिल जाना अपराध मुक्ति का सर्टिफिकेट नहीं होता है। अंतिम फैसला अभी बाकी है। दरअसल आदिवासियों, अनुसूचित जातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाओं और युवाओं के बीच भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता से इंडी गठबंधन घबराया हुआ है। इसी कारण ऐसी बयानबाजी हो रही है। समाज को अपमानित करने वाले किसी भी बयान को जनता सहन नहीं करेगी और इसका माकूल जवाब देगी।

सीए बनने करें मेहनत, इसमें आरक्षण की चुनौती नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सीए की पढ़ाई को सबसे कठिन कोर्स में गिना जाता है, इसका रिजल्ट लगभग 1 प्रतिशत आता है। खास बात ये है कि इस कोर्स में मेहनत करके आगे बढ़ सकते हैं, क्योंकि इसमें आरक्षण नहीं होता। पढ़ाई के लिए की गई मेहनत हमेशा काम आती है। कुछ इसी तरह की यादें सीए अमित चिमनानी ने सीए डे पर साझा करते हुए बताया कि पढ़ाई के दौरान 3 साल बीमार रहे, लेकिन पढ़ाई नहीं छोड़ी। उन्होंने आगे बताया कि भाटापारा में पढ़ाई की शुरुआत करने के बाद कई शहरों में पढ़ाई की और 2010 में सीए बन गए।

■ सीए दिवस आज

सीए एसोसिएशन में एक्टिव रहते हुए 2013 में सीए कमेटी के भी सदस्य बने। कई पदों पर रहे श्री चिमनानी ने बताया कि सीए बनने के बाद एक्सपर्ट के रूप में जिम्मेदारी निभाई। 2015 में रायपुर सीए स्टूडेंट एसोसिएशन का अध्यक्ष बनने के बाद सीए स्टूडेंट का विकास करने के लिए जी-जान लगा दिया और नतीजा ये हुआ कि पहली बार रायपुर को उनके अध्यक्ष रहते बेस्ट ब्रांच ऑफ इंडिया का खिताब मिला। 2016 में प्रोफेशन टू पॉलिटिक्स की यात्रा की शुरुआत करते हुए डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्री रहते 5 हजार दिन पूरे करने पर आयोजित कार्यक्रम को होस्ट किया। गायक, लेखक के रूप में भी पहचान बनाई।

■ तेलीबांधा एक्सप्रेस-वे के नीचे सड़क चौड़ीकरण का प्लान

आमानाका ब्रिज के नीचे बनेगा वेंडिंग जोन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर की सड़कों को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस कड़ी में अब आमानाका ओवरब्रिज के नीचे कब्जों को हटाकर वहां वेंडिंग जोन बनाया जाएगा। तेलीबांधा एक्सप्रेस-वे के नीचे संकरी सड़क के कारण यहां आए दिन जाम की स्थिति बनती है। इसे देखते हुए इस सड़क का भी चौड़ीकरण किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने रविवार को निगम के अन्य अधिकारियों के साथ शहर के कुछ इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान वे पहले आमानाका ओवरब्रिज पहुंचे, जहां ब्रिज के नीचे अवैध कब्जों को तत्काल हटाने के साथ ही वहां वेंडिंग जोन बनाने के लिए कहा है। आयुक्त ने तेलीबांधा क्षेत्र का भी जायजा किया। इस दौरान उन्होंने एक्सप्रेस-वे के नीचे सड़क पर आए दिन ट्रैफिक समस्या को देखते हुए इस सड़क के चौड़ीकरण का जल्द प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। सड़क चौड़ीकरण के बाद इस सड़क पर ट्रैफिक की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी।

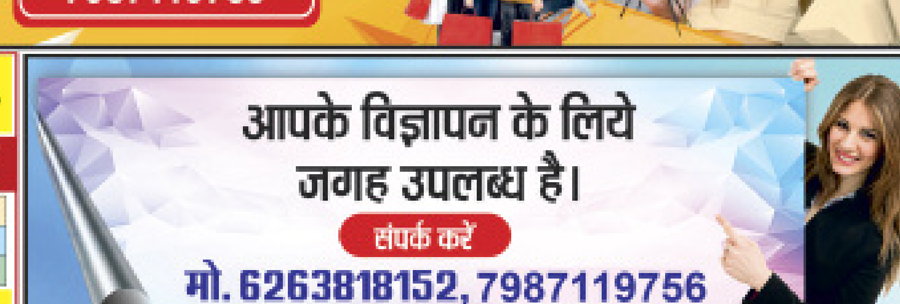

स्टेशन के कैंटीन के किचन में लगी आग, बाहरी हिस्सा जलकर खाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर।

रेलवे आगजनी के मामले को लेकर बेहद गंभीर है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे जोन से लेकर मंडल तक सभी वर्ग के कर्मचारियों को अग्निशमन यंत्र चलाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि जब भी आगजनी की घटना हो, तत्काल समय रहते उस पर काबू पाया जा सके, लेकिन रेलवे के इस प्रयास से रायपुर मंडल में अभी तक कोई विशेष लाभ नहीं हुआ है।

बीते चार महीने में रेलवे स्टेशन में 3 बार आग लगने घटना सामने आ चुकी है। इसमें एक को छोड़कर बाकी सभी मामलों में आग बुझाने के लिए फायर बिग्रेड की मदद ली गई। शुरुआती आग को काबू पाने के लिए रेलवे से जुड़ा कोई कर्मचारी अग्निशमन यंत्र लेकर नहीं पहुंचा, जबकि टीटीई से लेकर वाणिज्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को अग्निशमन यंत्र चलाने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

रविवार को भी आईआरसीटीसी के कैंटीन किचन में लगी आग लग गई, जिससे किचन के 40 फीसदी बाहरी हिस्सा जलकर खाक हो गया है। जानकारी के मुताबिक, कैंटीन के कर्मचारियों ने अग्निशमन यंत्र की मदद से आग बुझाई। किचन में खाना बनाते वक्त आग लगने का कारण बताया जा रहा है। जिस वक्त आग लगी, कैंटीन में यात्री खाना खा रहे थे। आग की लपटें बढ़ते देख यात्री कैंटीन से प्लेटफार्म की ओर भागे। मौके पर पहुंची आरपीएफ और जीआरपी ने मोर्चा संभाला तथा आग पर काबू पाया।

खास बातें

- चार माह में तीन बार आगजनी से रेलवे को हजारों का नुकसान, एक बार ही अग्निशमन यंत्र का इस्तेमाल
- गत 5 मई को स्टेशन के वेटिंग हॉल में शार्ट सर्किट से लगी थी आग

रेलवे ने कहा- कुकिंग स्टाफ की लापरवाही

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी ने बताया कि रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म एक पर आरआर के किचन रूम में दोपहर लगभग 3.10 बजे आग लगने की घटना हुई। प्रथम दृष्टया आग कुकिंग स्टाफ की लापरवाही के कारण लगी। आग फ्राइंग पैन में तेल से लगी और लापरवाही के कारण चिमनी के एग्जॉस्ट डक्ट के माध्यम से स्टेशन बिल्डिंग के बाहर फैल गई। स्टेशन और आरआर स्टाफ ने अग्निशामक यंत्र का उपयोग करके 20 मिनट में ही आग पर काबू पा लिया। कोई भी मानवीय क्षति नहीं हुई है।

खबर संक्षेप

एमआईसी की बैठक आज

रायपुर। नगर निगम के मेयर इन काउंसिल की बैठक आज होने जा रही है। महापौर की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में कई एजेंडे रखे जाएंगे। इन एजेंडों पर पहले चर्चा होगी। इसके बाद जिन एजेंडों पर एमआईसी सदस्यों की सहमति बनेगी, उन्हें मंजूरी दी जाएगी। इसके अलावा बैठक में वार्डों के परिसीमन सहित अन्य कई विषयों पर भी चर्चा होने की संभावना है। विदित हो कि इससे पूर्व एमआईसी की बैठक में महापौर और एमआईसी सदस्यों ने वार्डों के परिसीमन को लेकर स्पष्ट किया था कि अगर मापदंड के अनुसार परिसीमन होगा तो एमआईसी इसका समर्थन करेगी और अगर मापदंड के विपरीत होगा तो इसका विरोध किया जाएगा।

मोवा के बड़े तालाब किनारे पौधारोपण

रायपुर। प्रगति ग्रीन संस्था द्वारा कुल 251 पेड़ लगाए जाने एवं उन्हें संरक्षित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके तहत इस सत्र का प्रथम पौधारोपण मोवा स्थित बड़े तालाब में रविवार को किया गया, जहां कुल 21 नग पौधे लगाए गए। संस्था द्वारा विगत 6 वर्षों से पौधारोपण किया जा रहा है तथा अब तक करीब 5 हजार से ऊपर लगाए गए पौधों ने वृक्षों का रूप ले लिया है। संस्था के अध्यक्ष गजेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विनय साहू, संदीप सिंघानिया, सुरेंद्र पटले, पिंटू जंघेल, असीम शर्मा, अनिल पटेल, अभिषेक सक्सेना, दीपेश बघेल, अरविंद वर्मा, प्रकाश राठौर, नीलेश सोनी एवं स्थानीय क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

नए कानून से न्याय की नई उम्मीदें

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के मुख्य प्रवक्ता अधिवक्ता भगवानू नायक ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानून से देश की जनता को नई उम्मीदें हैं। भारतीय न्याय व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने से न्याय व्यवस्था को नई चुनौती का भी सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आज से तीन नए आपराधिक कानून देशभर में लागू हो जाएंगे। ब्रिटिश काल में लगभग 160 साल पहले बने कानून आईपीसी भारतीय दंड संहिता, सीआरपीसी भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता और आईईए भारतीय साक्ष्य अधिनियम अब बदलकर बीएनएस भारतीय न्याय संहिता, बीएनएसएस भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और बीएसए भारतीय साक्ष्य अधिनियम हो जाएगा। नए कानून में कड़े प्रावधान के साथ कठोर सजा की व्यवस्था की गई है, पहली बार बीएनएस की धारा 111 में संगठित अपराध, धारा 113 में आतंकवाद, धारा 304 में झपटमारी की परिभाषा दी गई है, राजद्रोह को हटाकर देशद्रोह जोड़ा गया।

जैन दादाबाड़ी में 750 दिव्यांगों को मिली खुशी, संस्था के कार्यों को सीएम ने सराहा

कृत्रिम अंग पहनकर बढ़ी आस, दिव्यांगों ने की परेड, फुटबॉल-बैडमिंटन भी खेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिले से 750 दिव्यांग परिजनों के साथ पहुंचे। इससे जैन दादाबाड़ी में उत्साह का माहौल दिनभर रहा। संस्थान ने निशुल्क शिविर में दिव्यांगों को अपर-लोवर कृत्रिम अंग और कैलिपर्स लगाकर रुकी हुई जिंदगी को फिर से हौसले की उड़ान दी गई। वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, युवा एवं खेल मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा ने शिविर का शुभारंभ किया। कृत्रिम अंग पहनने के बाद कई दिव्यांगों ने परेड की तो कुछ ने फुटबॉल खेलने का प्रयास किया।

संस्था के प्रति जताया आभार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संस्था राजस्थान से चलकर प्रदेश के दिव्यांगों का जीवन संवारने की भावना से आई है। इनका मैं अभिनंदन करता हूं। संस्थान को रायपुर में केंद्र संचालन के लिए सरकार की ओर से हर तरह से मदद दी जाएगी।

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से आए दिव्यांगों से मिले और उनसे बात की। इस दौरान सीएम के मीडिया सलाहकार पंकज झा, समाजसेवी मीरा और संजना भी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री ने संस्थापक कैलाश मानव व अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल का मानव यज्ञ के लिए आभार प्रकट किया।

हौसले देख खुश हुए परिजन

संस्था के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, ट्रस्टी देवेंद्र चौबीसा, मीडिया प्रभारी भगवान प्रसाद गौड़ ने अतिथियों का मेवाड़ी परंपरा से स्वागत किया। साथ ही एक मुट्ठी आटे से शुरू हुई संस्था से जुड़ी अब तक की सेवाओं के बारे में अतिथियों को बताया। 17 मार्च को रायपुर में कैंप किया गया था, जिसमें 1200 से ज्यादा पीड़ित आए थे। इनमें से 756 दिव्यांगों को नारायण लिम्ब व कैलिपर्स के लिए चयनित किया गया। आज उन्हें नई जिंदगी मिल रही है। समारोह में कृत्रिम अंग पहनकर दिव्यांगों ने परेड की, फुटबॉल और बैडमिंटन भी खेला। इन दिव्यांगों के हौसले और जज्बे को देखकर परिजन भी खुश नजर आए।

भावी शिक्षकों से पूछे मानसून और धन व वित्त विधेयक में समानता से संबंधित सवाल

रायपुर। व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा रविवार को दो पालियों में बीएड और डीएलएड पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। शिक्षक भर्ती नियमों में बदलाव के कारण इस बार बीएड से अधिक आवेदन डीएलएड के लिए मिले थे। प्री बीएड के लिए 2 लाख 53 हजार 649 कैंडिडेट ने आवेदन किया था। इनमें से 62.30 प्रतिशत अभ्यर्थी ने परीक्षा दिलाई। इसी तरह से प्री डीएलएड के लिए 3 लाख 5 हजार 629 ने फॉर्म भरा था। इनमें से 64.60 प्रतिशत ने परीक्षा दिलाई। आवेदन संख्या को देखते हुए प्रदेश के 32 जिलों में केंद्र बनाए गए थे। रायपुर में बीएड के लिए 58 तथा डीएलएड के लिए 51 केंद्र बनाए गए थे। रायपुर में बीएड के लिए 24 हजार 379 तथा डीएलएड के लिए 22 हजार 132 ने पंजीयन कराया था। राजधानी में बीएड में उपस्थिति प्रतिशत 59.1 तथा डीएलएड में उपस्थिति प्रतिशत 58.1 रहा। खबर लिखे जाने तक किसी तरह का नकल प्रकरण अथवा गड़बड़ी व्यापम के संज्ञान में नहीं आया था।

यूनेस्को रिपोर्ट से जुड़े प्रश्न भी

पहली पाली में बीएड की परीक्षा हुई। इसमें गणित तथा एप्टिट्यूड के सवाल उलझाने वाले रहे। बीएड परीक्षार्थियों से बाल गंगाधर के जेल जाने के वर्ष, राष्ट्रीय जलमार्ग, धन व वित्त विधेयक में समानता, विभिन्न समाचार पत्र के नाम व उनके संपादक, भारतीय मानसून से जुड़े कथन, आरटीई, करेवा, रचनात्मक आकलन, यूनेस्को रिपोर्ट के अनुसार सीखने के चरण, शिक्षा मनोविज्ञान तथा इससे जुड़े विविध तरह के सवाल पूछे गए।

भाठागांव में रिंगरोड के दोनों तरफ बने नाले कई जगहों से धंसे, बारिश में बढ़ेगी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

भाठागांव से मठपुरैना तक रिंगरोड नंबर-1 के दोनों तरफ बना लंबा सीमेंटेड नाला कई जगह से धंस गया है। साथ ही नाला निर्माण की गुणवत्ता की पोल भी खुल गई। बताया जा रहा है कि इन दोनों नालों को बने कुछ साल ही हुए हैं, लेकिन जबसे बने हैं, तब से कई बार नाले कई जगह से धंस चुके हैं। इस कारण इन नालों की बार-बार मरम्मत करानी पड़ती है।

सूत्रों के अनुसार भाठागांव बस स्टैंड बनने के बाद रिंगरोड और सर्विस रोड के दोनों तरफ भाठागांव से लेकर मठपुरैना तक बड़े दो नाले बनाए गए हैं। इन नालों का निर्माण बारिश के दिनों में रिंगरोड और सर्विस रोड में भरने वाले पानी की निकासी के लिए किया गया है। इन नालों के बनने के बाद से बारिश का पानी सड़कों से सीधे नालों में चला जाता है, जिससे सड़क में पानी का भराव या जमाव नहीं होता। इन नालों का निर्माण होने से बारिश के पानी के भराव से तो छुटकारा मिल गया, लेकिन नालों के घटिया निर्माण के कारण बारिश के पहले ही ये नाले जगह-जगह से धंस जाते हैं। इसके कारण इन नालों की हर बार मरम्मत करानी पड़ती है। बारिश का सीजन अभी शुरू ही हुआ है और इससे पहले ही दोनों नाले कई जगह से धंस चुके हैं।

- गुणवत्ताहीन निर्माण के चलते धंस रहे नाले

मरम्मत में देर, बारिश में बढ़ेगी दिक्कत

अनेकों जगह से धंस चुके इन दोनों नालों की मरम्मत का काम काफी धीमा चल रहा है। इसके कारण बारिश के दिनों में यहां परेशानी बढ़ सकती है। रिंगरोड पार करने के लिए कई लोग इन खुले नालों के ऊपर से गुजरते हैं। इसके अलावा आवारा जानवर भी नाला पार कर रोड क्रॉस करते हैं, जिसके कारण नालों में गिरकर कोई भी दुर्घटना का शिकार हो सकता है।

प्रवासी नर बाघ के लिए बाघिन तलाशने वन अफसर पहुंचे ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

बलौदाबाजार वनमंडल के बार नवापारा में महासमुंद के रास्ते आए प्रवासी बाघ को चार महीने हो गए हैं। वर्तमान में बाघ का विचरण क्षेत्र बारनवापारा अभयारण्य के आसपास ही है। बाघ की सुरक्षा के लिए कई तरह की कवायद की जा रही है। बाघ के चार महीने से ज्यादा समय तक बार नवापारा में रहने के बाद वन अफसरों को बाघ के यहां स्थायी रूप से रहने की उम्मीद जागी है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ सुधीर अग्रवाल बाघ की साथी तलाश करने महाराष्ट्र स्थित ताडोबा-अंधारी नेशनल पार्क पहुंचे हैं।

- कई प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद बाघ लाने का रास्ता साफ होगा
- प्रक्रिया पूरी करने में लग सकता है कम से कम एक साल

सूत्रों के मुताबिक तीन दिन पूर्व पीसीसीएफ बाघ के लिए साथी तलाश करने ताड़ोबा गए हैं। वहां के वन अफसरों से संपर्क कर बाघिन देने सहमति बनाने का प्रयास कर रहे हैं। इस संबंध में वन अफसरों से संपर्क करने पर वे किसी भी तरह से पुष्टि करने से बच रहे हैं। गौरतलब है कि बाघ की बार नवापारा में मौजूदगी को देखते हुए पन्ना टाइगर रिजर्व के सेवानिवृत्त फील्ड डायरेक्टर वी. श्रीनिवास मूर्ति की मदद ली जा रही है। इसके लिए पिछले दिनों श्री मूर्ति बार नवापारा के जंगल देखने के लिए भी गए थे।

बाघिन लाने प्रक्रिया से गुजरना होगा

बाघिन लाने वन अफसरों को कई प्रक्रियाएं पूरी करनी होंगी। ताडोबा के अफसरों द्वारा बाघिन देने राजी होने के बाद पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ एनटीसीए को पत्र लिखेंगे। इसके बाद एनटीसीए उस पत्र को अपने उच्चस्तरीय समिति को भेजेगा। समिति बार नवापारा में बाघ के अनुकूल प्री-बेस का अध्ययन करने आएगी। इसके बाद एनटीसीए को इस संबंध में जानकारी देगी। बाघिन लाने वन विभाग को स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड से भी अनुमति लेनी होगी।

अनुमति मिलने के बाद करेंगे चयन

एनटीसीए, स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड से अनुमति मिलने के बाद बाघिन का चयन किया जाएगा। बाघिन के चयन होने के बाद उसकी दो से तीन महीने मॉनिटरिंग की जाएगी। ये प्रक्रिया पूरी होने के बाद मामला एक बार फिर एनटीसीए के पास जाएगा। इसके बाद एनटीसीए पुनः बाघिन लाने की प्रक्रिया पूरी करने उच्चस्तरीय समिति के पास भेजेगा। तब कहीं जाकर बाघिन लाने की प्रक्रिया पूरी होगी। **सबकुछ एनटीसीए पर निर्भर** : बाघ के लिए साथी की तलाश करने वन अफसर ताडोबा गए हुए हैं, वहां सबकुछ ठीकठाक रहा तो भी एनटीसीए चाहे तो ताडोबा से बाघिन लाने अनुमति देने से इनकार कर सकता है। साथ ही किसी दूसरे टाइगर रिजर्व से बाघिन लाने के लिए कह सकता है। वन अफसरों द्वारा उच्चस्तरीय प्रयास करने पर ही बाघिन लाने का रास्ता साफ हो सकता है।

पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम सीएम साय ने रायपुर में सुना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को राजधानी रायपुर के शांतिनगर स्थित स्वदेशी भवन पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक पुरंदर मिश्रा, मुख्यमंत्री के सलाहकार पंकज झा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को पूर्वान्ह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कर नई जानकारियां साझा करते हैं। उन्होंने कहा, आज प्रधानमंत्री ने केरल की अट्टापड़ी गांव की स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए जा रहे मारथुंबी छाते का जिक्र करते हुए कहा, उनके छाते को एक ब्रांड मिल गया है तथा उनके उत्पाद में बढ़ोतरी हो गई है। आज हमारे देश में श्री मोदी के नेतृत्व में खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों में विशेष अवसर प्रदान हो रहे हैं, जिससे खिलाड़ी देश और विदेश में परचम लहरा रहे हैं।

आवश्यकता है
हरिभूमि छत्तीसगढ़ का नंबर 1 अखबार
हरिभूमि समाचार पत्र समूह को सर्वे कार्य हेतु युवक-युवतियों की आवश्यकता है, जिनके पास स्वयं का वाहन हो। सम्पूर्ण बायोडाटा के साथ तुरंत सम्पर्क करें।

पद	योग्यता	वेतन
20	10वीं,12वीं, स्नातक	10,000+

Resume Whatsapp करें
9827555678
Gmail- cir.haribhoomi@gmail.com

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

जांच में लापरवाही, 14 विवेचकों को आईजी का शो-कॉज नोटिस

रायपुर। दोषमुक्त प्रकरणों की रेंज आईजी अमरेश मिश्रा ने रविवार को समीक्षा बैठक बुलाई। दिनभर चली बैठक में धमतरी तथा गरियाबंद जिले के दोषमुक्त प्रकरणों की आईजी ने समीक्षा की। एनडीपीएस, पॉक्सो, यूएपीए, हत्या, आईटी एक्ट के 14 प्रकरणों की जांच में गंभीर लापरवाही बरतने वाले विवेचकों को आईजी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

- समीक्षा बैठक में आईजी ने धमतरी, गरियाबंद जिले के विवेचकों को जारी किया

आईजी द्वारा आयोजित समीक्षा बैठक में गरियाबंद डीआईजी अमित तुकाराम कांबले, धमतरी एसपी आंजनेय वार्ष्णेय, डिप्टी डायरेक्टर पूर्णिमा तिवारी, दिनेश गिरी, प्रभारी उप संचालक हिना यास्मीन खान, जिला अभियोजन अधिकारी शीतल ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। आईजी के अनुसार किसी भी अपराध की जांच के दौरान कई ऐसे मामले आते हैं, जिसमें पुलिस द्वारा जुटाए गए साक्ष्य कोर्ट में बेहद अहम होते हैं।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, सोमवार 1 जुलाई 2024
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

डॉक्टर्स डे : बाजारवाद से दूर निस्वार्थ सेवा में डूबे

परमार्थ ने समझाया 'धरती के भगवान' का अर्थ

रायपुर। 'प्राण रक्षा' को ही अपना धर्म मानने वाले चिकित्सकों की राह भी सरल नहीं। जीवन में किसी आम व्यक्ति की तुलना में कई गुना अधिक संघर्षों का सामना उन्हें दिन-प्रतिदिन करना पड़ता है। कभी अपने परिवार को वक्त ना दे पाने का अफसोस तो कभी चिकित्सकीय पेशे के कारण सामान्य जीवन के पीछे छूट जाने मलाल। लेकिन इन सबके बाद भी वे डटे रहते हैं मरीजों की सेवा में। जानिए, शहर के ऐसे चिकित्सकों के जीवन से जुड़े छुए-अनछुए पहलू...

ग्रामीणों की सेवा करने साथियों संग गांव की राह

डॉ. आकाश त्रिपाठी बीते 9 सालों से एक प्राइवेट अस्पताल में जनरल सर्जन हैं, साथ ही जरूरतमंद मरीजों के लिए गांव में स्वास्थ्य कैंप भी लगाते हैं। उनका कहना है कि 2013 में सर्जन बनाने के बाद शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कैंप लगा रहे हैं। अभी तक 41 से अधिक सर्जरी निःशुल्क कर चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लोग शरीर में कष्ट होने के बाद भी काम करना नहीं छोड़ते हैं, लेकिन यही लापरवाही उन्हें भारी पड़ जाती है। ऐसे लोगों के लिए मैंने अपने मित्रों के साथ कैंप लगाना शुरू किया, लेकिन पहले लोगों को यही लगता रहा कि हम अपने लाभ के लिए कैंप लगाना चाहते हैं, ताकि इलाज कराने अस्पताल आए। जब वे स्वस्थ होने लगे, तब अधिक लोग हमसे जुड़ने लगे।

सरकारी अस्पताल में इलाज की देते हैं जानकारी

कैंप के जरिए लोगों का मशीन के जरिए मेडिकल जांच किया जाता है, जिसमें गंभीर रोग के लक्षणों के बारे में लोगों को अवगत कराया जाता है। उन्होंने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में शुगर, बीपी और किडनी समेत आंखों की समस्या अधिक होती है। ज्यादातर लोग मामूली लक्षण को नजरअंदाज कर देते हैं, जिस कारण बाद में दिक्कत होती है। सरकारी अस्पताल में किस तरह इलाज होगा इसकी पूरी जानकारी देते हैं, ताकि गांव से शहर इलाज कराने आने पर दिक्कत न हो। बारिश में धरसीवा, कुम्हारी, राखी समेत अभनपुर व टेकारी क्षेत्र में पंचायत की मदद से कैंप लगाते हैं।

टॉकिज पहुंचकर भी मरीज ले जाते थे हॉस्पीटल, कमाई का बड़ा हिस्सा दान में

- पिता के बाद संभाली विरासत, मिल चुका है लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार
- 30 साल शासकीय अस्पताल में दी सेवाएं मेडिकल कॉलेज के पहले बैच को पढ़ाया

एक बार मौदहापारा के टॉकिज में पत्नी और बच्चों संग फिल्म देख रहा था। तभी एक व्यक्ति आया और कहा कि पिता को हार्टअटैक आया है, अस्पताल चलिए। तब पत्नी और बच्चों को टॉकिज में ही छोड़कर अस्पताल की ओर दौड़ना पड़ा। इसी तरह एक सुबह राजिम से एक व्यक्ति का फोन आया। उसने बताया कि उसके पिता का शरीर काम नहीं कर पा रहा है। वहां के डॉक्टर ने रायपुर ले जाने कहा है। मैंने उसके पिता से जुड़ी पूरी डिटेल पूछी और उससे पास के दवाई दुकान से शुगर के इंजेक्शन लेकर पिता के मुंह में डालने को कहा। कुछ ही देर में स्वस्थ होकर शाम को वे स्वयं मिलने के लिए रायपुर मेरे घर पहुंच गए... ये किस्से हैं रायपुर के डॉ.इंद्रमोहन सेठी के। बीते 6 दशक से वे चिकित्सा क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

गांव से आते हैं मरीज निशुल्क देते हैं सेवाएं

छत्तीसगढ़ के दूरस्थ गांवों से मरीज इलाज करवाने उनके पास पहुंचते हैं। इनमें से कई ऐसे भी होते हैं, जिनकी आमदनी ज्यादा नहीं होती और वे फीस देने में असमर्थ होते हैं। ऐसे में डॉ.सेठी उनसे 10-20 रुपए का ही नाममात्र शुल्क लेते हैं। कई मरीज ऐसे हैं, जो उस वक्त से आ रहे हैं, जब वे आंबेडकर अस्पताल में सेवाएं दे रहे थे। जब राजधानी में मेडिकल कॉलेज की शुरुआत हुई तो वे पहले बैच को पढ़ाने वाले चिकित्सकों में से थे। वे बताते हैं कि उनके पिता डॉ.सीतराम सेठी गुना में चिकित्सक थे। इसके बाद वे भी चिकित्सा क्षेत्र में आ गए। उन्होंने अपने पिता के नाम से एक चैरिटेबल ट्रस्ट भी बनाया है। अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा वे यहां दान कर देते हैं। उनकी उपलब्धियों को देखते हुए आयुष विवि द्वारा उन्हें लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड भी दिया जा चुका है।

अस्पताल से घर पहुंच जाते हैं मरीज

स्वास्थ्य के कारण कई बार वे शास्त्री चौक स्थित अपने क्लिनिक में नहीं बैठते हैं। ऐसे में मरीज पता पूछते हुए सिविल लाइन स्थिति उनके घर तक पहुंच जाते हैं। हालात ये हैं कि उनका घर भी मिनी क्लिनिक की ही तरह नजर आता है। उनकी पत्नी शशि सेठी बताती हैं कि उनके प्रोफेशन को बहुत पहले ही स्वीकार कर लिया था। मां ने कहा था कि चिढ़-चिढ़ करती रहेगी तो जिंदगी तनाव में ही बितेगी। इसलिए सभी चीजों का आनंद लिया। बेटे आशीष सेठी भी पिता की लगन को देखते हुए चिकित्सा क्षेत्र से ही जुड़कर सेवा की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। डॉ.सेठी कहते हैं कि चिकित्सीय पेशा सेवा का ही दूसरा नाम है। इसलिए पैसे के पीछे ना भागते हुए, जो भी करें वो दिल से करें।

पिता की पेंशन के सहारे मेडिकल की पढ़ाई

शहर के 75 वर्षीय डॉ.के.विनय कुमार रिटायरमेंट के बाद अब अपने घर से लोगों की सेवा करते हैं। उनका कहना है एक डॉक्टर बुजुर्ग होने के बाद भी लोगों की मदद कर सकता है। रिटायरमेंट के बाद यही कर रहा हूं। भोपाल स्थित गांधी मेडिकल कॉलेज से नाक, कान, गला संबंधित शिक्षा प्राप्त की। वर्ष 1979 से महासमुंद, उदयपुर, जगदलपुर, दंतेवाड़ा जैसे कई स्थानों में निरंतर सेवाएं दीं। 2006 से रिटायरमेंट के बाद घर से लोगों को सेवाएं देने की शुरुआत की।

स्टाफ नहीं तो किया पोस्टमार्टम

वे बताते हैं, घर की आर्थिक स्थिति कुछ खास अच्छी नहीं थी, लेकिन पिता ने हमेशा मनोबल दिया। उन्होंने अपने 150 रुपए के पेंशन के सहारे मुझे मेडिकल की पढ़ाई कराई। उन दिनों मेडिकल कॉलेज की फीस 300 रुपए प्रतिवर्ष हुआ करती थी। छात्रवृत्ति की सहायता से कॉलेज की किताबें लेता था। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है, चिकित्सा के शुरुआती दौर में कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। उस दौरान पोस्टमार्टम के लिए अधिक केंद्र नहीं हुआ करता था, जिसके कारण मैंने पोस्टमार्टम कार्य भी किया। रोजाना 2-3 लोगों का पोस्टमार्टम करता था। अब तक लगभग 10 हजार से अधिक लोगों का पोस्टमार्टम किया है।

84 की उम्र में गुरुद्वारे में सेवा, एक्यूप्रेशर से करते हैं इलाज

नहर पारा में रहने वाले डॉ.एसपी विश्वकर्मा 84 की उम्र में सेवा दे रहे हैं। आपाधापी से भरी दिनचर्या में लोगों को कमर व नस दर्द से जुड़ी समस्याएं घेर लेती हैं। थाइडाइड से भी लोग परेशान होकर यहां-वहां इलाज के लिए भटकते हैं। ऐसे लोगों का इलाज डॉ. विश्वकर्मा स्टेशन रोड गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी द्वारा संचालित ओपीडी में प्राकृतिक चिकित्सा एवं एक्यूप्रेशर से करते हैं। वे कहते हैं कि सुबह 9 से 11 बजे के बीच 15 से 20 लोगों का इलाज करता हूं। चुंबक व बीज थैरेपी से कमर दर्द, नस दर्द, लकवा, थायराइड ही नहीं सर्दी, खांसी व मौसमी बीमारी का भी इलाज करता हूं। वे कहते हैं, निःशुल्क सेवा लेने के लिए दर्द से कराहते हुए मरीज आते हैं। गुरुद्वारे आने वाले जब चिकित्सा के बाद जब हंसते हुए वापस जाते हैं, तो खुशी मिलती है। वे बताते हैं कि खुद का खर्च चलाने के लिए शाम को क्लीनिक में बैठता हूं, लेकिन दिन की शुरुआत सेवा से ही करता हूं। यह अवसर दो साल पहले गुरुद्वारा कमेटी ने दिया। वहां सेवा देने के बाद शाम को रोजी-रोटी के लिए क्लीनिक में बैठता हूं।

आराधना

धर्मस्थलों में जाना अपर्याप्त अंदर हो धर्म के लिए जिज्ञासा

रायपुर। तपस्वी विरागमुनि के श्रीमुख से देवेंद्र नगर स्थित शीतलनाथ जिनालय में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने प्रवचन का लाभ लिया। प्रवचन के दौरान उन्होंने कहा कि चंडकौशिक नाग इतना जहरीला था कि उसके देखने मात्र से प्राणियों की जान चली जाती थी। जिनवाणी का श्रवण करने से चंडकौशिक नाग ने भी मोक्ष को प्राप्त कर लिया। आज लोगों के लिए धर्म का श्रवण करना बहुत ही मुश्किल काम हो गया है। लोगों की मदद करना आपके लिए धर्म जरूर है, लेकिन यह भी आपको धर्म के बारे में सुनने के बाद ही पता चलता है।

औपचारिकता के लिए आते हैं प्रवचन सुनने

उन्होंने कहा, कई ऐसे हैं, जो करोड़ों रूपए की डील छोड़कर आत्म समृद्धि के लिए आ रहे हैं तो आजकल कई लोग ऐसे भी हैं जो केवल औपचारिकता निभाने के लिए प्रवचन में आते हैं और मंदिर जाते हैं। पूजा-पाठ करने के लिए भी पुजारी को कहते हैं। फल-फूल, चढ़ावा, पूजन-अनुष्ठान का सामान अनुष्ठान का सामान भी वे अपने सहायकों से उठवाते हैं। अपने हाथों से वह यह सब नहीं करते तो धर्म का लाभ उन्हें कैसे मिलेगा। धर्मस्थल में आकर केवल प्रवचन सुनने से कुछ नहीं होगा, आपके अंदर जिज्ञासा होनी चाहिए धर्म को जानने की, उसके बारे में सीखने की। आपके मन में प्रश्न आना चाहिए तब यह समझ में आएगा कि आप मन से प्रवचन सुन रहे हो।

लाइव इवेंट

हर परिस्थिति में स्वयं को बचाएं निंदा और घमंड से

रायपुर। सरयूपारीण ब्राह्मण सभा भवन में आयोजित भगवत ज्ञान सप्ताह के दूसरे दिन व्यास गद्दी में विराजमान आचार्य शिवेंद्रमणि त्रिपाठी ने कहा कि मनुष्य को तीन बातें हमेशा ध्यान रखनी चाहिए। जो भी इनका ध्यान रखेगा जीवन मे कष्टों से दूर रहेगा। तीन बातें में पहला यह है कि किसी की निंदा नहीं करें, चाहे वह कितना भी बुरा क्यों न हो। दूसरी बात, हमेशा अतिथि का सत्कार करें, अपने सामर्थ्य के अनुसार सेवा करें। तीसरी बात, मन में कभी घमंड न आए। हर परिस्थिति में इन बातों का ध्यान रखें।

राई घटे न तिल बढ़े

जो होगा उसे नहीं रोका नहीं जा सकता, जो होना है होकर ही रहेगा। यही विधि का विधान है। राई घटे न तिल बढ़े... यह अटल सत्य है। कथा के द्वितीय दिन महिलाओं की अच्छी उपस्थिति रही। मुख्य यजमान विष्णुदत्त मिश्रा व परिजनों के अलावा कथा में प्रमुख रूप से डॉ.सुरेश शुक्ला, डॉ.विजयशंकर मिश्रा, आरएल द्विवेदी, राममूरत तिवारी, संगम त्रिपाठी, राजेन्द्र शर्मा, इंद्र नारायण त्रिपाठी, कल्याण प्रसाद पांडेय, विजय शर्मा, प्रदीप मिश्रा, त्रिभवन नाथ तिवारी, शेष नारायण तिवारी, लक्ष्मण मिश्रा, अवदेश प्रसाद मिश्रा, उमेश तिवारी, मित्रेष दुबे, कैलाश तिवारी, राजेश त्रिपाठी, राहुल तिवारी, कामता प्रसाद त्रिपाठी, लल्लू दुबे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मोबाइल के बाद ओटीटी प्लेटफार्म समाज की नई बीमारी

रायपुर। गुरु पूर्णिमा महोत्सव की कड़ी में परसदा स्थित ब्रह्मलोक आश्रम में सुधांशु महाराज से गुरुदीक्षा लेने और गुरु चरण पादूका पूजन के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। विश्व जागृति मिशन ने इसके लिए भव्य तैयारी की थी। महाराज ने हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों को गुरु की महिमा और जीवन में गुरु का महत्व बताया। शिष्यों ने गुरु चरण पादुका दर्शन के बाद पुष्प अर्पित किया। गुरुदीक्षा के लिए पहुंचे लोगों को सुधांशु महाराज ने मंत्र दीक्षा दी। अपने आशीर्वचन में कहा कि सभी को रोज गुरु का उपदेश सुनने की आदत डालनी चाहिए। अब सुविधाएं हैं। इसके जरिए गुरु के उपदेश को कहीं भी सुना और देखा जा सकता है। इसके माध्यम से भी गुरु निर्देश व नियम भी जानने को मिलेगा।

सुधांशु महाराज ने दिए आशीर्वचन, गुरु उपदेश सुनने सलाह

मानसरोवर का अवलोकन

विश्व जागृति मिशन के मीडिया प्रभारी अश्विनी विग ने बताया बताया कि महाराज ने ब्रह्मलोक आश्रम का अवलोकन किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष सुनील सचदेव, मिलन कांत अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, हरि भाई पटेल सहित अन्य उपस्थित रहे। निर्माणाधीन कैलाश मानसरोवर की ऊंचाई 108 फीट, लंबाई 160 फीट और चौड़ाई 100 फीट होगी। मानसरोवर झील का भी निर्माण होगा। इसके सामने गौरी कुंड बनेगा। पर्वत को 5 मंजिला बनाया जाएगा।

जरूरी हो जाता है आगे क्या होगा जानना

महाराज ने टीवी, इंटरनेट, सोशल मीडिया, ओटीटी प्लेटफार्म में दिखाए जाने वाले कंटेंट को लेकर कहा कि मनोरंजन का साधन होने के साथ ही टीवी, इंटरनेट में अच्छी व जरुरी चीजों के अलावा प्रसारित होने वाले गलत कंटेंट से समाज का भी माहौल दूषित हो रहा है। रोज आने वाले कई सीरियल का दुष्प्रभाव परिवार ही नहीं समाज पर भी पड़ रहा है। अब एक नई बीमारी ओटीटी प्लेटफार्म के रूप में दिख रही है। इसे ऐसे पेश किया जाता है कि वह दिमाग में गूंजता है। आगे क्या होगा जानना और देखना जरूरी हो जाता है। गलत चीजों के कारण परिवार का माहौल बिगड़ रहा है। ऐसी चीजों से बचना और बचाना जरूरी है।

दुर्घटना में गंवाए अंग, अब तक 300 दिव्यांगों को जयपुर पैर

रायपुर। महावीर इंटरनेशनल त्रिशला द्वारा स्वर्ण जयंती के अवसर पर श्री विनय मित्र मंडल के पचपेड़ी नाका स्थित वर्कशॉप में दिव्यांगों को जयपुर पैर वितरित किया गया। दिव्यांगों को जयपुर पैर के वितरण की श्रृंखला में रविवार को 300 वां कृत्रिम पैर वितरित किया गया। महावीर इंटरनेशनल त्रिशला के सदस्यों द्वारा प्रार्थना से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। त्रिशला की संचालक कुसुम श्रीश्रीमाल ने बताया, 20 पैर कटे-भाई बहनों को बिना सहारे चलते देखकर सभी उपस्थितजन रोमांचित महसूस करने लगे। सभी जयपुर पैर श्रीश्रीमाल परिवार की बहू बेटियों के सौजन्य से दिए गए हैं। गर्मी की छुट्टियों में सभी बहु-बेटियों ने निर्णय लिया कि शॉपिंग में से कुछ कटौती कर दिव्यांगों की सेवा करनी है। जयपुर पैर के स्थायी वर्कशॉप में घुटनों के ऊपर से कटे 7 दिव्यांगों व घुटने से नीचे से पैर कटे 13 भाई-बहनों को कृत्रिम पैर लगाया गया। इस दौरान लीला, सुनंदा, राजश्री, साक्षी, रंभा, सुधा, एकता, शर्मिला, उषा, उर्मिला बरलोटा व अन्य उपस्थित रहीं।

कार्नर न्यूज

एटी ज्वेलर्स के डायमंड क्लब कार्निवल में पहुंची एक्ट्रेस पूजा गौर

पारंपरिक परिधानों संग आधुनिक आभूषण...

रायपुर। एटी ज्वेलर्स के डायमंड क्लब कार्निवल का आयोजन रविवार को पंडित दीनदयाल ऑडिटोरियम में किया गया। ज्वेलरी फैशन शो में मॉडल्स ने ट्रेंड में चल रहे आभूषणों के साथ रैंपवॉक किया। मॉडल्स ने परंपरागत और नए डिजाइन के ज्वेलरी की जानकारी दी। 'मन की आवाजः प्रतिज्ञा' फेम टीवी एक्ट्रेस पूजा गौर ने भी ट्रेडिशनल लुक में स्टाइलिश ज्वेलरी के साथ रैंपवॉक किया। उन्होंने लोगों को डायमंड ज्वेलरी से जुड़ी कई तरह की जानकारी दी। फैशन शो में साड़ी और लहंगे के साथ डायमंड के आभूषणों ने लोगों का ध्यान खींचा।

ऐश्वर्या ने संगीत से बांधा समां

कार्यक्रम में सिंगर ऐश्वर्या पंडित ने अपनी दिलकश आवाज से एक्ट्रेस पूजा गौर को डांस करने मजबूर कर दिया। नए-पुराने गीतों की प्रस्तुति से कार्यक्रम में समां बांधा। इसके साथ ही डांस व संगीत कार्यक्रम में बच्चों समेत युवतियों ने हिस्सा लेते हुए अपना टैलेंट दिखाया। मजेदार गेम्स खेलकर लोगों ने जमकर एंजॉय किया। कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को एक्ट्रेस पूजा के साथ फोटो खिंचवाने के साथ बातचीत करने का मौका भी मिला। संस्थान के डायरेक्टर सौरभ बरडिया सहित अन्य उपस्थित रहे।

हरिभूमि
सेहत भूमि
रायपुर, सोमवार 01 जुलाई 2024
haribhoomi.com

मानसिक स्वास्थ्य विकार

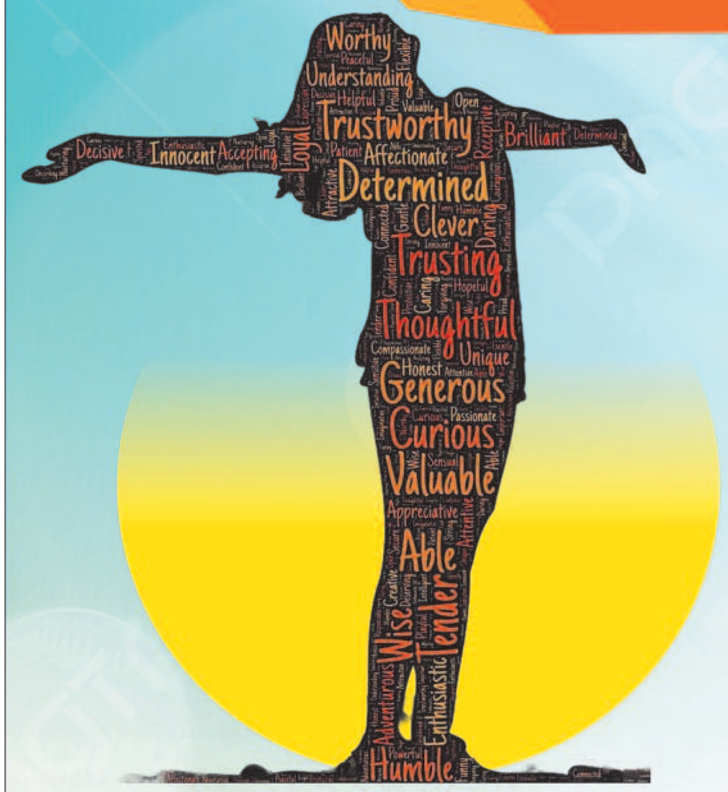

मानसिक स्वास्थ्य विकार के कारण

मानसिक स्वास्थ्य विकार के कारण बहुत जटिल और विविध होते हैं। कई बार ये विकार विभिन्न कारकों के संयोजन के कारण उत्पन्न होते हैं:

1. आनुवंशिक कारक : मानसिक स्वास्थ्य विकार अक्सर परिवारों में चलते हैं, जो यह संकेत देता है कि जीन का महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। कुछ मानसिक विकारों में विशिष्ट जीन संबंधी असामान्यताएं पाई जाती हैं जो इन विकारों के विकास में योगदान कर सकती हैं।

2. जैविक कारक : मस्तिष्क की संरचना और कार्य में असामान्यताएं भी मानसिक विकारों का कारण बन सकती हैं। न्यूरोट्रांसमीटर की असंतुलन, हार्मोनल परिवर्तनों, और मस्तिष्क की चोटें भी विकारों के विकास में योगदान कर सकती हैं।

3. पर्यावरणीय कारक : प्रारंभिक जीवन के अनुभव, जैसे कि बचपन में दुर्व्यवहार, उपेक्षा, या आघात, मानसिक स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं। इसके अलावा, चल रहे तनाव, जीवन में बड़ी परिवर्तन, और सामाजिक अलगाव भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

4. मनोवैज्ञानिक कारक : कुछ व्यक्तियों में व्यक्तित्व के विशेष लक्षण, जैसे कि अत्यधिक चिंता या नकारात्मक सोच के पैटर्न, मानसिक विकारों के विकास के लिए अधिक संवेदनशील हो सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य विकार के लक्षण

मानसिक स्वास्थ्य विकारों के लक्षण व्यक्ति-व्यक्ति और विकार-विकार के आधार पर भिन्न हो सकते हैं, लेकिन कुछ सामान्य लक्षणों में शामिल हैं:

1. मूड में बदलाव : लगातार उदासी, चिंता, या अतिशय खुशहाली।

2. विचारों में असामान्यता : भ्रम, यथार्थता से अलग विचार, या अत्यधिक नकारात्मक सोच।

3. व्यवहार में बदलाव : सामाजिक गतिविधियों में रुचि की कमी, असामान्य व्यवहार, या आवेगपूर्ण कार्य।

4. शारीरिक लक्षण : नींद की समस्याएं, भूख में बदलाव, ऊर्जा की कमी।

5. समय और स्थान की भावना में बदलाव : समय और स्थान का ठीक से अनुभव न कर पाना।

6. व्यक्तिगत देखभाल में कमी : स्वच्छता और व्यक्तिगत देखभाल में कमी।

मानसिक स्वास्थ्य विकार के प्रकार

1. डिप्रेशन (अवसाद) : लगातार उदासी, निराशा, और जीवन में रुचि की कमी।

2. एंजाइटी डिसऑर्डर (चिंता विकार) : अत्यधिक चिंता और डर, जो दैनिक जीवन में हस्तक्षेप करता है।

3. बायपोलर डिसऑर्डर : मूड में अत्यधिक उतार-चढ़ाव, जिसमें अत्यधिक खुशहाली (मैनिया) और गहरी उदासी (डिप्रेशन) शामिल है।

4. स्किजोफ्रेनिया : भ्रम, मतिभ्रम, और यथार्थ से अलग सोच।

5. पोस्ट-ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (PTSD) : आघातपूर्ण घटना के बाद लगातार चिंता, फ्लैशबैक, और बुरे सपने।

6. ऑब्सेसिव कम्पल्सिव डिसऑर्डर (OCD): अनचाहे विचार (ऑब्सेशन्स) और दोहरावदार व्यवहार (कम्पल्शन्स)।

मानसिक स्वास्थ्य विकार का उपचार

मानसिक स्वास्थ्य विकारों का उपचार बहुआयामी हो सकता है, और इसका उद्देश्य व्यक्ति की समग्र भलाई को बढ़ाना है। उपचार के प्रमुख घटक निम्नलिखित हैं:

1. मनोचिकित्सा (थेरेपी) :

संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा (CBT): नकारात्मक विचारों और व्यवहारों को पहचानने और बदलने में मदद करता है।

प्रमाण आधारित चिकित्सा (EBT) : व्यवहार और भावनाओं को प्रबंधित करने के लिए विशिष्ट रणनीतियों का उपयोग करता है।

मनोविश्लेषण : व्यक्ति की अवचेतन मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं की जांच करता है।

2. दवाएं :

एंटीडिप्रेसेंट्स : अवसाद और चिंता के लक्षणों को कम करने के लिए।

एंटी-एंजाइटी मेडिकेशन : चिंता को नियंत्रित करने में मदद करता है।

मूड स्टेबलाइजर्स : बायपोलर डिसऑर्डर के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए।

एंटीसाइकोटिक्स : भ्रम और मतिभ्रम को नियंत्रित करने में मदद करता है।

3. सपोर्ट ग्रुप : समान अनुभव वाले लोगों के समूह में शामिल होना, जिससे सामाजिक समर्थन और प्रोत्साहन मिलता है।

4. लाइफस्टाइल परिवर्तन :

स्वस्थ आहार : मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए।

नियमित व्यायाम : मूड को सुधारने और तनाव को कम करने में मदद करता है।

योग और ध्यान : मानसिक शांति और विश्राम के लिए।

5. समाज और परिवार का समर्थन : परिवार और दोस्तों का सहयोग और समझ, जो व्यक्ति की समग्र भलाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मानसिक स्वास्थ्य विकारों से निपटने के सुझाव

1. खुद को शिक्षित करें : मानसिक स्वास्थ्य विकारों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करें ताकि आप अपने या अपने प्रियजनों के लिए उचित निर्णय ले सकें।

2. पेशेवर मदद लें : मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, जैसे कि मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक, या काउंसलर से परामर्श करें।

3. स्व-देखभाल : नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, और पर्याप्त नींद का ध्यान रखें।

4. सकारात्मक गतिविधियों में शामिल हों : अपने पसंदीदा शौक और गतिविधियों में शामिल हों।

5. खुलकर बात करें : अपने दोस्तों और परिवार के साथ अपनी भावनाओं और अनुभवों के बारे में बात करें।

6. लक्ष्य निर्धारित करें : छोटे और यथार्थवादी लक्ष्यों को निर्धारित करें और उन्हें प्राप्त करने के लिए काम करें।

7. तनाव प्रबंधन : योग, ध्यान, और गहरी सांस लेने की तकनीकों का उपयोग करें।

मानसिक समस्याओं को न छुपाएं, हालात बिगड़ने से पहले परामर्श एवं उपचार अपनाएं

ओम हॉस्पिटल
OM HOSPITAL
108 बिस्तरों का सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE – NABH – CERTIFIED
NABH Entry Level

एच. पी. पेट्रोल पंप के पास, महादेव घाट रोड, रायपुरा, रायपुर (छ. ग.)

राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे
सदैव सेवा में समर्पित एवं कर्मनिष्ठ हमारे डॉक्टरों को हृदय से धन्यवाद...

डॉ. कमलेश अग्रवाल – एम.सी.एच. बर्न,प्लास्टिक,कॉस्मेटिक और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जन
डॉ. विजय अग्रवाल – एम.डी.एस. मैक्सिलोफेशियल और ओरल कैंसर सर्जन
डॉ. ओ.पी. सुंदरानी – एमबीबीएस, एमडी इंटेंसिविस्ट
डॉ. स्तुति अग्रवाल – एमडीएस ऑर्थो डॉन्टिस्ट
डॉ. पारुल अग्रवाल – एमडी (आयुर्वेदा)
डॉ. दिवांशु गोयल – एमएस, आर्थोपेडिक्स
डॉ. योगेश दाबर्डे – एमडी मेडिसिन
डॉ. श्याम तिवारी – एमडी मेडिसिन
डॉ. गुंजन अग्रवाल – एमडीएस, ओरल कैंसर और मैक्सिलोफेशियल सर्जन
डॉ. शुभांशू गुप्ता – एमएस, आर्थोपेडिक्स
डॉ. चन्द्रमुकेश धावड़े – एमसीएच, न्यूरोसर्जरी
डॉ. प्रतिक बारले – एमएस, जनरल और लेप्रोस्कॉप सर्जरी
डॉ. हनुमंत – एमएस, जनरल और लेप्रोस्कॉप सर्जरी
डॉ. शारदा परिहार – एमएस, प्रसूति और स्त्री रोग
डॉ. भावना ठाकुर – एमडी, पैथोलॉजी
डॉ. रामप्रकाश साहू – डीएनबी, पीडियाट्रिक्स
डॉ. आर. अग्रवाल – एमएस, जनरल सर्जरी, डीएनबी यूरोसर्जरी
डॉ. मिथुन दत्ता – डीएनबी, मनोरोग चिकित्सा
डॉ. विनोद कोशले – एमडी, डर्मेटोलॉजी
डॉ. सूरज सिंह – एमडी, डर्मेटोलॉजी
डॉ. संजय अग्रवाल – डीएम, गैस्ट्रोलॉजी
डॉ. सतीश देवांगन – एमडी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डॉ. राजू साहू – डीएम, नेफ्रोलॉजी
डॉ. सुलभा अहलूवालिया – एमबीबीएस, जनरल फिजिशियन
डॉ. ज्योति बंजारे – एमडी, मेडिसिन
डॉ. पंकज अरोड़ा – डीएनबी, रेडियोडायग्नोसिस
डॉ. पिंकी यादव – एमडी, रेडियोडायग्नोसिस
डॉ. सौरभ अग्रवाल – डी, ऑर्थो
डॉ. दीपिका अग्रवाल – डीएनबी, प्रसूति और स्त्री रोग
डॉ. रुपेन्द्र साहू – एमडी, मेडिसिन
डॉ. राकेश साहू – एमएस, जनरल सर्जरी
डॉ. अनामिका – डीएनबी, प्रसूति और स्त्री रोग
डॉ. अखिलेश स्वर्णकर – डीएनबी, ऑर्थो
डॉ. अदिति चतुर्वेदी – डीसीपी, पैथोलॉजी
डॉ. अजय सिंह ठाकुर – एमडी, पैथोलॉजी
डॉ. विवेक वाधवा – एमसीएच, कार्डियोथोरेसिक एण्ड वस्कुलर सर्जरी
डॉ. निकिता अग्रवाल – एमडी, मेडिसिन
डॉ. नितिन शर्मा – एमसीएच, पैडियेट्रिक सर्जन

ओम हॉस्पिटल, सरायपाली
स्व. राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय के पास, एनएच रोड, सरायपाली Mob.: +91 8370008558

ओम हॉस्पिटल, तिल्दा
बहेसर, खरोरा रोड, तिल्दा
Mob.: +91 9302734809

सुविधाएं
- बर्न, प्लास्टिक एवं कॉस्मेटिक यूनिट
- मैक्सिलोफेशियल सर्जरी
- ट्रामा, एक्सीडेंट, आपातकालीन विभाग
- गहन चिकित्सा विभाग
- कैंसर रोग
- बच्चे दानी का कैंसर
- नाक, कान एवं गला रोग
- मेडिसिन विभाग
- शिशु रोग
- चर्मरोग विभाग
- हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण
- मस्तिष्क रोग
- हेयर ट्रांसप्लांट यूनिट
- डायलिसिस यूनिट
- नशामुक्ति एवं मानसिक रोग इलाज
- पेट सम्बन्धित रोगों का इलाज
- गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी, नेफ्रोलॉजी विभाग
- स्त्री एवं प्रसूति विभाग
- श्वास एवं छाती रोग
- जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
- टेढ़े-मेढ़े दांतों व दंत रोग
- नार्मल एवं सिजेरियन डिलीवरी
- एडवांस पैथोलॉजी यूनिट
- सोनोग्राफी, ईको, ई. सी. जी.
- मल्टीस्लाइस सी. टी. स्कैन
- फुली मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर

इंश्योरेंस TPA, BSKY, आयुष्मान भारत, ESIC की सुविधा उपलब्ध

0771-2243118, 119, 120, 8370008551

स्वास्थ्य समस्याओं का होम्योपेथी द्वारा निदान

स्वास्थ्य समस्याओं का कुदरती और प्रभावी निदान होम्योपैथी द्वारा संभव है। होम्योपैथी, चिकित्सा की एक ऐसी प्रणाली है जो रोगों का इलाज प्राकृतिक तरीके से करती है। यह प्रणाली रोग के लक्षणों के आधार पर अत्यधिक पतले घोल का उपयोग करती है, जो शरीर की स्वयं की उपचार क्षमता को प्रोत्साहित करता है।

होम्योपैथी की खोज डॉ. सैमुएल हैनीमैन ने 18वीं सदी में की थी। उन्होंने पाया कि समान समान को ठीक करता है‍ सिद्धांत के तहत अगर कोई पदार्थ किसी स्वस्थ व्यक्ति में किसी विशेष लक्षण को उत्पन्न करता है, तो उसी पदार्थ का बहुत छोटे मात्रा में उपयोग करके रोगी के वही लक्षण ठीक हो सकते हैं। यह सिद्धांत होम्योपैथी का आधार बना।

होम्योपैथी की विशेषता यह है कि यह रोग के मूल कारण को ठीक करने पर ध्यान केंद्रित करती है, न कि केवल लक्षणों को दबाने पर। यह प्रणाली व्यक्ति की पूरी चिकित्सा स्थिति को ध्यान में रखकर उपचार करती है। होम्योपैथी में उपचार को व्यक्तिगत किया जाता है, अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग-अलग दवाइयाँ और उपचार पद्धति होती है।

होम्योपैथी में उपयोग की जाने वाली दवाइयाँ प्राकृतिक स्रोतों जैसे पौधों, खनिजों और पशुओं से तैयार की जाती हैं। ये दवाइयाँ बहुत पतली होती हैं और किसी भी प्रकार के हानिकारक प्रभाव से मुक्त होती हैं। यही कारण है कि होम्योपैथी को सुरक्षित और बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं समेत सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयुक्त माना जाता है।

होम्योपैथी के लाभों में शामिल हैं:

1. **सुरक्षित और प्राकृतिक:** होम्योपैथी में उपयोग की जाने वाली दवाइयाँ प्राकृतिक स्रोतों से बनाई जाती हैं और इनमें कोई हानिकारक रसायन नहीं होता।
2. **व्यक्तिगत उपचार:** हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग दवाइयाँ और उपचार पद्धति होती है, जिससे अधिकतम लाभ प्राप्त होता है।
3. **लंबे समय तक प्रभावी:** होम्योपैथी रोग के मूल कारण को ठीक करती है, जिससे दीर्घकालिक राहत मिलती है।
4. **कोई दुष्प्रभाव नहीं:** होम्योपैथिक दवाइयाँ अत्यंत पतली होती हैं, जिससे इनका कोई दुष्प्रभाव नहीं होता।

होम्योपैथी द्वारा इलाज की जाने वाली कुछ आम समस्याओं में एलर्जी, त्वचा रोग, श्वसन समस्याएँ, पाचन विकार, मानसिक तनाव और थकान शामिल हैं। इसके अलावा, होम्योपैथी का उपयोग पुरानी बीमारियों जैसे आर्थराइटिस, माइग्रेन, और डायबिटीज में भी प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।

होम्योपैथी के चिकित्सक मरीज के पूरे स्वास्थ्य इतिहास, शारीरिक और मानसिक लक्षणों का विश्लेषण करते हैं और फिर एक व्यक्तिगत उपचार योजना बनाते हैं। यह दृष्टिकोण न केवल लक्षणों को ठीक करता है, बल्कि व्यक्ति की समग्र स्वास्थ्य स्थिति में भी सुधार लाता है।

हालांकि, होम्योपैथी के प्रभाव के बारे में वैज्ञानिक दृष्टिकोण में मतभेद हैं, लेकिन दुनियाभर में लाखों लोग इस प्रणाली पर विश्वास करते हैं और इसे अपनाते हैं। होम्योपैथी ने अपनी सरलता, प्रभावशीलता और सुरक्षा के कारण एक विशेष स्थान बनाया है।

आज के दौर में, जब लोग प्राकृतिक और सुरक्षित उपचार विधियों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं, होम्योपैथी एक महत्वपूर्ण और प्रभावी विकल्प के रूप में उभर कर सामने आई है। यह चिकित्सा प्रणाली हमें कुदरत के करीब ले जाती है और हमारे स्वास्थ्य को प्राकृतिक तरीके से पुनर्स्थापित करने में मदद करती है। इसलिए, अपने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए होम्योपैथी को एक मौका दें और इसके लाभकारी प्रभावों का अनुभव करें।

होम्योपैथी के लाभ

1. **प्राकृतिक और सुरक्षित :** होम्योपैथी में उपयोग की जाने वाली दवाएं प्राकृतिक स्रोतों से तैयार की जाती हैं, जिससे इनके साइड इफेक्ट्स न्यूनतम होते हैं।
2. व्यक्तिगत उपचार : होम्योपैथी में हर मरीज को व्यक्तिगत रूप से देखा जाता है और उसके लक्षणों के आधार पर उपचार दिया जाता है।
3. **दीर्घकालिक प्रभाव :** होम्योपैथी का उद्देश्य केवल लक्षणों का इलाज करना नहीं है, बल्कि रोग की जड़ को समाप्त करना है, जिससे दीर्घकालिक लाभ मिलता है।
4. **सभी आयु वर्ग के लिए उपयुक्त :** होम्योपैथी का उपचार बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर स्वास्थ्य वाले व्यक्तियों के लिए भी सुरक्षित होता है।

होम्योपैथी से निदान योग्य समस्याएं

होम्योपैथी का उपयोग कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार में किया जाता है। इसमें शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक सभी प्रकार की बीमारियों का निदान किया जा सकता है।

1. शारीरिक समस्याएं : एलर्जी और अस्थमा : होम्योपैथी में विभिन्न प्रकार की एलर्जी, जैसे धूल, परागकण, खाद्य पदार्थों और रासायनिक एलर्जी का उपचार किया जाता है। अस्थमा के मरीजों को भी होम्योपैथी से राहत मिलती है।

त्वचा रोग : एक्जिमा, सोरायसिस, एक्ने, और अन्य त्वचा रोगों का सफलतापूर्वक उपचार होम्योपैथी में संभव है।

पाचन तंत्र के रोग : एसिडिटी, अपच, कब्ज, और इर्रिटेबल बॉवेल सिंड्रोम जैसी पाचन समस्याओं का उपचार होम्योपैथी से किया जा सकता है।

2. मानसिक और भावनात्मक समस्याएं : तनाव और अवसाद : होम्योपैथी में मानसिक और भावनात्मक समस्याओं, जैसे तनाव, अवसाद, चिंता, और अनिद्रा का उपचार किया जाता है। यह पद्धति मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित करने में मदद करती है।

व्यवहारिक विकार : बच्चों में एडीएचडी (ध्यान-संयोजन विकार) और ऑटिज्म जैसे व्यवहारिक विकारों का भी होम्योपैथी से उपचार संभव है।

3. महिला स्वास्थ्य : मासिक धर्म संबंधित समस्याएं : मासिक धर्म की अनियमितता, दर्दनाक मासिक धर्म, और प्रीमेंस्टुअल सिंड्रोम (PMS) जैसी समस्याओं का उपचार होम्योपैथी में किया जा सकता है।

प्रजनन स्वास्थ्य : होम्योपैथी में बांझपन, गर्भावस्था के दौरान की समस्याओं, और रजोनिवृत्ति से संबंधित समस्याओं का उपचार भी संभव है।

होम्योपैथी का उपयोग

होम्योपैथी का उपयोग विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के लिए किया जा सकता है। यह पद्धति न केवल शारीरिक रोगों का इलाज करती है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक समस्याओं का भी निदान करती है। होम्योपैथी की दवाएं अत्यधिक पतली मात्रा में दी जाती हैं, जिससे इनके साइड इफेक्ट्स न्यूनतम होते हैं।

आपकी स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं का निदान होम्योपैथी द्वारा कुदरती तरीके से

GOYAL HOMEO PHARMACY
होम्योपैथिक चिकित्सक

उपलब्ध उपचार सुविधाएं :

- मनोविकार / मानसिक समस्याएँ
- पाइल्स /बवासीर
- चक्कर आना / वर्टिगो
- त्वचा संबंधी समस्याएं
- एक्जिमा सोरायसिस
- ल्यूकोडर्मा / सफेद दाग
- पीसीओडी
- महिलाओं से संबंधित बीमारियां
- मुहांसे
- पथरी
- जोड़ों का दर्द
- माइग्रेन
- एलर्जी
- कब्ज़
- बांझपन
- स्पॉन्डिलाइटिस, आर्थराइटिस

Dr. Anita Jain
(Msc., D.H.B.)
HOMOEOPATHIC PHYSICIAN

Distributor:- Dr. Willmar Schwabe, Bioforce A. G. SWITZERLAND, MAG HOMEOPATHY HERBAL REMIDIES, ST. GEORGE HOMEOPATHIC

GOYAL HOMEO PHARMACY
Disha Tower, Opp. SBI Bank, New Shanti Nagar, Raipur (C.G.)
99930-01777, 99935-55484

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस

चिकित्सा का महत्व स्वस्थ समाज की नींव

चिकित्सा मानव जीवन का एक अभिन्न अंग है। इसका महत्व केवल बीमारियों के इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के समग्र स्वास्थ्य, विकास और कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चिकित्सा का व्यापक प्रभाव न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य पर पड़ता है, बल्कि इसका असर परिवार, समुदाय और पूरे समाज पर भी होता है।

मानसिक स्वास्थ्य विकार के कारण

चिकित्सा का सबसे प्रमुख कार्य बीमारियों की रोकथाम और इलाज है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने विभिन्न रोगों के उपचार और रोकथाम के लिए अत्याधुनिक तकनीकों और औषधियों का विकास किया है। यह न केवल रोगियों को राहत प्रदान करता है, बल्कि गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के प्रसार को भी रोकता है।

जीवन प्रत्याशा में वृद्धि

चिकित्सा के क्षेत्र में हुई प्रगति ने मानव जीवन की प्रत्याशा को बढ़ाया है। नई चिकित्सा तकनीकों, औषधियों और उपचारों के विकास के कारण कई जानलेवा बीमारियों का प्रभावी इलाज संभव हुआ है। इससे लोग लंबे और स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम हो पाए हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता

चिकित्सा का एक महत्वपूर्ण पहलू सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता है। टीकाकरण कार्यक्रम, स्वच्छ पानी की आपूर्ति, और स्वच्छता अभियानों के माध्यम से चिकित्सा विज्ञान ने महामारियों और संक्रमणों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे समाज में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ी है और जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

मानसिक स्वास्थ्य

चिकित्सा का महत्व केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य को भी समाहित करता है। मानसिक बीमारियों का समय पर और सही उपचार लोगों को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं, परामर्श और थेरेपी के माध्यम से लोगों की मानसिक स्थिति को बेहतर किया जा सकता है।

CONTACT FOR ADVT - 7987119756

देवी लक्ष्मी हॉस्पिटल
एवं मातृत्व फर्टीलिटी सेन्टर
सर्जिकल, प्रसूति, इन्फर्टिलिटी लेप्रोस्कोपी सेंटर

सुविधाएँ
• सभी प्रकार के हर्निया की सर्जरी लेप्रोस्कोप द्वारा
• हार्मोनिक, स्कैलपल द्वारा रक्त रहित तकनीकी से गाल ब्लैडर
• अपेन्डिक्स एवं अन्य एडवांस लैप्रोस्कोपी सर्जरी
• दूरबीन द्वारा प्रोस्टेट एवं पथरी के ऑपरेशन
• बवासीर, फिस्टूला, स्तन गांठ, कैंसर एवं हाइड्रोसील सर्जरी
• माड्यूलर एवं सेमी माड्यूलर ऑपरेशन थियेटर
• संपूर्ण सुविधायुक्त पोस्ट ऑपरेटिव सर्जिकल ICU
• वेंटिलेटर डिफब्रीलेटर मॉनिटरिंग सुविधा
• Gen-II हार्मोनिक द्वारा रक्त रहित एडवांस लैप्रोस्कोपी सर्जरी
• Storz, Spize H-D कैमरा सिस्टम
• मोटापे की सर्जरी एवं बेरियाट्रिक सर्जरी की सुविधा
विख्यात विशेषज्ञों की टीम द्वारा मातृत्व फर्टिलिटी में सुविधाएँ
• सम्पूर्ण स्त्री बांझपन की जांच व ईलाज, • बांझपन की समस्या का समय मूल्यांकन
• विश्वस्तरीय मानक कल्चर प्रयोगशाला, • सहायक प्रजनन तनीकी (A.R.T.)
• कृत्रिम गर्भधारण (IUI) आई.व्ही.एफ. टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) • इक्सी (ICSI)
• शुक्राणु निकालने की विभिन्न विधियां (TESA, PESA, MESA) • एक्सपॉन्डेट ब्लास्टोसिस्ट कल्चर
बी-19/5, टैगोर नगर, रिंग रोड नं. 1, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं.: 0771-2421964, 9826123464, Email : devilaxmihospital@gmail.com

हेयर रिप्लेसमेंट
मात्र 1 घंटे में

बिना सर्जरी के अमेरिकन तकनीक से
SINCE : 2004
हेयर एण्ड केयर
विग्गिंग प्वाइंट
हेड ऑफिस शॉप 19, प्रथम तल, समवेत शिखर, एकात्म परिसर के सामने, रजबंधा मैदान, रायपुर (छत्तीसगढ़) मो.: 9827103630
द्वितीय तल, रॉयल इंफिल्ड शोरूम के ऊपर, टाटा मोटर्स के बाजू, संजय नगर, सुपेला, जी.ई. रोड, भिलाई मो.: 7880103630

SCY
Control your Diabetes. For Life.
डायबिटिक क्लिनिक
▸ डायबिटिज/ शुगर संबंधी सभी समस्याएं ▸ थायराइड
▸ मोटापा ▸ प्रेग्नेंसी डायबिटिज ▸ फुलबाडी चेकअप
▸ डायबेटिक सेक्स रोग ▸ नसों की सुन्नता
डायबिटिक योग चिकित्सा के लिए सम्पर्क करें -

Dr. Satyajit Sahu
Diabetes Consultant
MBBS, MD (Family Medicine) CMC Vellore
PGCDM (Diabetes), CEBDM (Diabetes)
Dip. CARD, FCCP
गुडविल हॉस्पिटल, टिकरापारा - सुबह 10 से दोपहर 2 तक
17, गुरुकुल कॉम्प्लेक्स, काली बाड़ी - शाम 6 से रात 9 तक
अपाइंटमेंट : 77240-35770, 93037-24304

मनोहर क्लीनिक
जटिल रोगों का इलाज आयुर्वेदिक पध्दति से
डॉ.एम. एल. गंगवानी रजिस्टर्ड नं. - Ayurved.CG01118
डॉ. शिल्पी गंगवानी BAMS (महिला चिकित्सक)
रजिस्टर्ड नं. -CG05677Ayurved
वात रोग, दुर्बलता, श्वास रोग, नेत्र रोग, तनाव, एलर्जी, त्वचा रोग एवं अन्य जटिल रोगों की विश्वसनीय आयुर्वेदिक चिकित्सा
क्लिनिक- संतोषी नगर, रायपुर (छ.ग.), मो - 09754124201
SUMAN DENTAL CARE
Dr. Suman Gangwani BDS (Indore)
1st Floor, Moni Mansion, Opposite, Vidya Hospital, Main Road, Shankar Nagar, Raipur Mo 9584793066
Email - sumangangwani030698@gmail.com
Time 9 am to 2 pm Evening 5 pm to 9 pm
शुभम मेडिकल स्टोर्स
बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर (छ.ग.)
अभिजीत मेडिकल और कॉस्मेटिक्स
मेन रोड, अवंति विहार, रायपुर (छ.ग.)

KALYAN HOSPITAL
YOUR HEALTH OUR MISSION
श्री कल्याण मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
हैप्पी नेशनल डॉक्टर्स-डे

डॉ. सनी सिंग पसरीजा
MBBS., M.S., FMAS, LAPROSCOPIC SURGEON
SURGERY AIIMS DELHI (EX-CONSULTANT DELHI)
डॉ. नील सिंग पसरीजा
MBBS , MS ortho , F.MISS
हड्डी, ज्वाइंट रोग , ट्रॉमा एवं स्पाइन सर्जन
डॉ. ईश्प्रीत कौर
(स्त्री रोग विशेषज्ञ) MBBS., M.S., OBS/GYNE
(FELLOWSHIP IN LAPROSCOPY & SONOGRAPHY, MUMBAI)
DIPLOMA IN ART AND REPRODUCTIVE MEDICINE, GERMANY
डॉ. अरुनाभ मुखर्जी
MD Anesthesia (intensivist)
आयुष्मान कार्ड से ईलाज की सुविधा उपलब्ध
मेन रोड, वाल्टेयर रेल्वे लाईन के पास, फाफाडीह, रायपुर (छ.ग.)
फोन - 0771-4069292, मोबा. - 8109633266

आपके लिये हमेशा तैयार हैं
हम

H+M
MULTISPECIALITY HOSPITAL
सब ठीक हो जायेगा
1st July | National Doctor's Day
हॉस्पिटल में उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाएं
▸ न्यूरो
▸ हड्डी रोड
▸ जनरल सर्जरी
▸ गायनिक
▸ गैस्ट्रो
▸ किडनी एवं मूत्र रोग
▸ जनरल एवं लेप्रोस्कोपी
▸ ई.एन.टी.
▸ मेडिसीन
▸ आर्थो
एनएबीएच
आयुष्मान कार्ड सुविधा
श्रेष्ठ व अनुभवी डॉक्टर्स की टीम
24/7 Emergency Services
संपर्क करें: 0771-4902222
आयुष्मान कार्ड, हेल्थ इंश्योरेंस व टीपीए कंपनी की सुविधा
पहुँचें हमारे पास
रिंग रोड नं. 1, रायपुरा ओवरब्रिज के पास, अग्रोहा कॉलोनी, रायपुर (छ.ग.)

1974 से कार्यरत
आशा क्लिनिक
ISO 9001:2015 Certified Clinic
गुप्त रोगी मिलें
डॉ. ए.आर. गुप्ता (G.A.M.S.) REG. NO.: 00579/C.G.
क्या आप जानते हैं ? • सेक्स प्रकृति द्वारा दिया गया सबसे खुबसूरत तोहफा है.
• सेक्स जीवन का सत्य है, जिसे नकारा नही जा सकता.
• सेक्स की कमी मानसिक रोगों को जन्म देती है.
• सेक्स इच्छाओं का दमन हिस्टीरिया व डिप्रेशन जैसे रोगों को जन्म देती है.
□ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता. □ सेक्स से भय.
□ वीर्य में शुक्राणुओं की कमी
□ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी.
□ पेशाब से फास्फेट जाना
मिलने का समय
दोपहर 12 बजे से सांय 7 बजे तक
रविवार - दोपहर 12 बजे से सांय 3 बजे तक
फोन वार्ता : दोपहर 12 से सांय 7 बजे
सेक्स संबंधी समस्या के समाधान हेतु स्वंय आकर मिलें
शॉप नं.-4, दीक्षित कॉम्पलेक्स, बैजनाथपारा, रायपुर (छ.ग.)
Mo : 9669990123, 9926777867

HAPPY DOCTOR'S DAY
हेल्थ केयर एवं पाइल्स सेंटर

पिछले 10 वर्षों से सतत रूप से आपकी सेवा में 2500 से अधिक सर्जरी
उपलब्ध सुविधाएँ
• अत्याधुनिक लेज़र चिकित्सा
• सभी मलमार्ग के रोगों की दूरबीन द्वारा विशेष जांच
• क्षारसूत्र चिकित्सा
• डे-केयर चिकित्सा
• महिला चिकित्सा उपलब्ध
• दर्द रहित पूर्ण चिकित्सा
• वेरीकोज वेन की लेज़र चिकित्सा
• अत्यंत कम दर पर चिकित्सा
• इन्शुरेन्स क्लेम उपलब्ध
डॉ एस.ए. वाहिद
MS AY (Gen Surgery)
Certified Trained Laser Proctologist Minimal Invasive Proctologist Guiness Book Record Participant Life Member NSA

डॉ. नेहा
Ex Medical Officer
Cosmetologist Trichologist
Female Problem Expert
मलद्वार सम्बंधित सभी बीमारियों का इलाज
★ झंडा चौक, पंडरी (राजातालाब सब्जी मार्केट के पास), रायपुर
★ बालगोपाल हॉस्पिटल के सामने, बैरन बाज़ार, रायपुर
फ़ोन- 0771-4040808, मो.- 70007-18411